जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोंगे वही पाओगे।

122 नवंबर को लिया गया था धार्मिक स्थलों को तोड़ने का फैसला

🛮 🔓 २०२५ में डिजिटल गोपनीयता का भविष्य

www.newsparivahan.com

메 🧣 आंग्ल नववर्ष पर भी अपनी संस्कृति हमें नहीं भूलना चाहिए

2004 से 2024 दिल्ली मेट्रो का विस्तार, वादे तो बहुत; पर विकास की रफ्तार धीमी

दिल्ली मेट्रो ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है लेकिन हाल के वर्षों में इसके विस्तार की रफ्तार धीमी हो गई है। फेज चार की परियोजनाओं को स्वीकृति मिलने में देरी कोरोना महामारी और अन्य चुनौतियों के कारण निर्माण में विलंब हुआ है। इस लेख में हम दिल्ली मेट्रो के विस्तार की वर्तमान स्थिति चुनौतियों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करेंगे।

संजय बाटला नई दिल्ली। दिल्ली को कभी लंदन तो कभी पेरिस बनाने के दावे बहुत किए गए। आम आदमी पार्टी (आप) ने भी ये दावे किए और पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार भी दिल्ली को विश्वस्तरीय बनाने के दावे कर चुकी है। दिल्ली लंदन व पेरिस जैसी तो नहीं

बन पाई लेकिन दिल्ली मेट्रो (Delhi Metro) राष्ट्रीय

अंतरराष्ट्रीय फलक पर अपनी पहचान बनाने में जरूरत कामयाब रही। यही वजह है कि विश्वस्तरीय परिवहन सविधा उपलब्ध कराकर मेट्रो न सिर्फ दिल्ली बल्कि पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की लाइफ लाइन बन गई। इसलिए मेटो दिल्ली के चुनाव में हमेशा एक अहम एजेंडा रहा है। जिसमें सवार होकर राजनीतिक दल चुनावी वैतरणी पार करने का प्रयास

करते रहे हैं। इस क्रम में भाजपा, कांग्रेस हो या आम आदमी पार्टी (आप) तीनों दल मेट्रो के विकास और विस्तार का श्रेय लेते रहे हैं लेकिन हाल के वर्षों में दिल्ली में मेटो के विस्तार की रफ्तार धीमी हो गई है। मेट्रो कॉरिडोर के विकास के आंकड़े व मेट्रो फेज चार के विस्तार परियोजनाओं की स्थिति इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं।

मास्टर प्लान के तहत वर्ष 2021 तक दिल्ली मेट्रो का नेटवर्क 413.83 किलोमीटर हो जाना चाहिए था। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए फेज चार की परियोजनाएं वर्ष 2021 तक पूरी हो जानी चाहिए थी। इसके चार वर्ष बाद भी अकेले दिल्ली मेट्रो तो दूर एनसीआर में मौजूद मेट्रो के कुल नेटवर्क को मिलाकर भी यह लक्ष्य अब तक हासिल नहीं किया जा सका है।

फेज चार के परियोजनाओं को स्वीकृति मिलने में हुई देरी इसका एक बड़ा कारण रहा।बाद में फेज चार के प्रमुखता वाले तीन कारिडोर का निर्माण शुरू भी हुआ तो पहले कोरोना और बाद में पेड काटने में स्वीकृति मिलने में देरी व जमीन अधिग्रहण की समस्या आड़े आने से निर्माण में विलंब हुआ।

यदि फेज चार की परियोजना समय से पूरी हुई होती तो राष्ट्रीय राजधानी में मेट्रो की सुविधा ज्यादा सुलभ व सुगम होती। इससे आवागमन की सुविधा बेहतर होने के साथ-साथ प्रदूषण नियंत्रित करने में भी यह मददगार होती।

मौजूदा समय में एनसीआर में मेट्रो का नेटवर्क करीब 392 किलोमीटर व 288 स्टेशन हैं। जिसमें से करीब 350 किलोमीटर दिल्ली मेट्रो का अपना नेटवर्क है। दिल्ली मेट्रो के कारिडोर पर 256 मेट्रो स्टेशन हैं। अभी नवंबर में ही दिल्ली सरकार ने दावा किया था कि वर्ष 1998 से वर्ष 2014 तक सिर्फ 193 किलोमीटर मेट्टो की लाइन बनी।

तब 143 मेट्रो स्टेशन थे। वर्ष 2014 से 2024 के बीच 200 किलोमीटर मेट्रो की लाइनें बनी। इसलिए अब 288 मेट्रो स्टेशन हैं। बहरहाल, 24 दिसंबर 2002 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने दिल्ली में रेड लाइन पर शाहदरा से इंद्रलोक के बीच पहली मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

इसलिए भाजपा भी मेट्रो के विकास का श्रेय लेती रही है। मौजूदा केंद्र सरकार भी वर्ष 2014 के बाद एनसीआर में मेट्रो का नेटवर्क अधिक बढ़ाने का दावा करती रही है।

वर्ष 2011 तक 188.05 किलोमीटर था मेट्रो का

यदि मेट्रो के विस्तार पर गौर करें तो एक सच्चाई यह भी है कि दिल्ली में कांग्रेस की शीला दीक्षित की सरकार में वर्ष 2011 तक दिल्ली मेट्रो के फेज एक व फेज दो के कार्य पूरे हो गए थे और कुल 188.051 किलोमीटर कॉरिडोर पर मेट्रो परिचालन शुरू हो चुका था। इस हिस्से पर 145 मेट्रो स्टेशन थे। इसके बाद से अब तक सिर्फ फेज तीन के 162.377 किलोमीटर मेटो

दिल्ली में धीमी हो गई

वर्ष	कॉरिडोर पर परिचालन	स्टेशन
2004	26.11	22
2005	29.36	28
2006	9.27	09
2008	2.86	03
2009	21.40	16
2010	65.64	54
2011	33.39	13
2014	3.07	02
2015	18.85	13
2017	17.92	13
2018	97.73	64
2019	20.73	17
2021	2.04	01
2023	2.01	01
कुल	211.98	256
name		



नेटवर्क का निर्माण हुआ।

वर्ष 2015 के बाद 140.43 किलोमीटर बढ़ा मेट्रो का

फेज तीन की मेट्रो परियोजना भी कांग्रेस सरकार में स्वीकृत हुई थीं और उस पर काम भी शुरू हो गया था। यही वजह है कि वर्ष 2015 तक दिल्ली मेट्रो के 209.97 किलोमीटर कॉरिडोर व 160 स्टेशनों तक मेट्रो का परिचालन शुरू हो चुका था। वर्ष 2015 के बाद दिल्ली मेट्टो के 140.43 किलोमीटर कॉरिडोर व 96 स्टेशनों के बीच परिचालन शुरू हुआ।

इसका 2.01 किलोमीटर हिस्सा (एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के द्वारका सेक्टर 21-यशोभिम द्वारका सेक्टर 25) व एक स्टेशन यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25 को छोड़कर बाकी हिस्सा फेज तीन का ही था। वर्तमान सरकार में स्वीकृत फेज चार के किसी कारिडोर के हिस्से पर भी अभी मेटो का परिचालन शरू

नहीं हो पाया है।

दो वर्ष विलंब से मिली फेज चार की परियोजनाओं

दिल्ली सरकार ने 19 दिसंबर 2018 में फेज चार में कल 103.93 किलोमीटर के छह मेट्रो कारिडोर बनाने के लिए की स्वीकृति दी। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) यह स्वीकृति मिलने में करीब दो वर्ष की देरी हुई थी।

बाद में केंद्र सरकार ने मार्च 2019 में फेज चार के तीन कॉरिडोर को स्वीकृति दी। जिसमें जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम, मजलिस पाक-मौजपुर, तुगलकाबाद-एरोसिटी

कॉरिडोर शामिल है। तब तीन कॉरिडोर लंबित रह गए। 30 दिसंबर 2019 में स्वीकृत मेट्रो कॉरिडोर का निर्माण शुरू हुआ लेकिन निर्माण की धीमी गति के कारण पांच वर्ष में भी ये कॉरिडोर बनकर तैयार

PERMIT IN A STATE OF THE PERMIT IN A STATE OF	
नहीं हो गाग ।	गेन्यरन ५ ४०४ - ०४

मार्च 2026 तक निर्माण कार्य पुरा करने का लक्ष्य है लेकिन बताया जा रहा है कि अभी 56 प्रतिशत ही निर्माण कार्य हो पाया है ऐसे में वर्ष 2026 के अंत तक भी कार्य पूरा होना मुश्किल दिख रहा है। वैसे मौजपुर-मजलिस पार्क और जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम कॉरिडोर एक बड़े हिस्से पर नए वर्ष में मेट्रो का परिचालन शुरू होने की उम्मीद है।

स्वीकृति तीन कॉरिडोर निर्माण जल्द शुरू करने की

केंद्र सरकार 13 मार्च 2024 को फेज चार के दो कॉरिडोर इंद्रप्रस्त-इंद्रलोक और लाजपत नगर-साकेज जी ब्लॉक मेट्रो कारिडोर को स्वीकृति दी। इसके करीब साढ़े नौ माह बाद भी डीएमआरसी (DMRC) इन तीनों कॉरिडोर के निर्माण के लिए अभी तक टेंडर जारी नहीं कर पाया है।

इसके अलावा केंद्र सरकार ने हाल ही में रिठाला-कुंडली कारिडोर को भी स्वीकृति दी है। इन तीनों कारिडोर का निर्माण भी जल्द शुरू करने की दरकार है। नए वर्ष में इन तीनों कॉरिडोर का निर्माण शुरू होगा और चार वर्ष में वर्ष 2029 तक तैयार होगा। ऐसे में फेज चार का जो काम इस दशक के शुरुआत में पूरा होना था अब वह इस दशक के अंत में पूरा

दिल्ली मेट्रो के नेटवर्क (किलोमीटर में) व स्टेशनों

की संख्या	
फेज	ने
}	,

नेटवर्क स्टेशन 64.751 59 फेज एक फेजदो 123,300,86 162.377 111 348.418 256

दिल्ली मेट्रो का मौजुदा समय में राष्ट्रीय राजधानी व एनसीआर में नेटवर्क (किलोमीटर में) व स्टेशन

राज्य नेटवर्क स्टेशन दिल्ली 291.929 213

एनसीआर 56.489 42 वर्तमान समय में मौजूद मेट्रो लाइन

59.242

37.461

38

(किलोमीटरमें) वस्टेशनों की संख्या मेट्रो लाइन लंबाई स्टेशन रेड लाइन 34.549 29 यलो लाइन 49.019 37 ब्लू लाइन तीन 56.114 50 ब्लू लाइन चार 8.511 ग्रीन लाइन 28.781 24 वॉयलेट लाइन 46.341 34 पिंक लाइन

ग्रे लाइन 5.491

ऑरेंज लाइन 24.917 07 नोट- एयरपोर्ट लाइन ऑरेंज लाइन के रूप में पहचानी

फेज चार में निर्माणाधीन तीन मेट्रो कारिडोर की लंबाई(किलोमीटर में) व स्टेशनों की संख्या

कॉरिडोर- लंबाई- स्टेशन स्टेशन जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम 29.262 22 एरोसिटी-तुगलकाबाद 23.622 15 मजलिस पार्क-मौजपुर 12.318

कुल 65.202 45 फेज चार के स्वीकृति तीन मेट्रो कॉरिडोर की लंबाई

(किलोमीटर में) व स्टेशनों की संख्या लंबाई रिठाला-कुंडली 26.463 21 इंद्रलोक-इंद्रप्रस्थ 12.377 लाजपत नगर-साकेज जी ब्लॉक 8.385

फेज चार के निर्माणाधीन व स्वीकृत कारिडोर की कुल लंबाई- 112.427 किलोमीटर

फेज चार में बनेंगे कुल स्टेशन- 84 फेज चार की परियोजना पूरी होने के बाद दिल्ली मेट्रो का नेटवर्क- 460.845 किलोमीटर

दिल्ली मेट्रो के स्टेशन होंगे- 339 एनसीआर में मेट्रो का नेटवर्क बढ़कर होगा- 504.875

एनसीआर में स्टेशनों की कुल संख्या होगी- 372

दिल्ली में पहली बार चली मेटो 24 दिसंबर 2002- रेड लाइन का शाहदरा-तीस हजारी

कॉरिडोर की लंबाई- 8.35 किलोमीटर

स्टेशनों की संख्या- छह अब तक अंतिम बार खला कॉरिडोर 17 सितंबर

2023- एयरपोर्ट एक्सप्रेस लड़न पर द्वारा सेक्टर 21 से यशोभूमि द्वारा सेक्टर 25 मेट्रो स्टेशन

कॉरिडोर की लंबाई- 2.01 किलोमीटर

स्टेशन की संख्या-एक वर्ष दर वर्ष इस तरह बढ़ता गया मेटो का कॉरिडोर व स्टेशन

फाइलों इन परियोजनाओं ने तोडी दम यमुना बैंक-लोनी मेट्रो कारिडोर- 11.97 किलोमीटर

कीर्ति नगर-द्वारका सेक्टर 23 मेट्रो लाइट कारिडोर-18.17 किलोमीटर

त्रिलोकपुरी-शास्त्री पार्क मोनो रेल कारिडोर- 20

2025 में सौगातों की बारिशः देश की पहली रोपवे सिटी बनेगी काशी, एक और वंदे भारत का तोहफा; स्टेडियम भी मिलेगा

वर्ष २०२५ में काशी को नई पहचान मिलेगी। शहर को देश का पहला रोपवे मिलने के साथ ही गंजारी स्टेडियम और एक और नया वंदे भारत का तोहफा मिलेगा ।इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रांड बनारस और मजबूत होगा।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में 2025 में दो बड़े प्रोजेक्ट पूरे होंगे। रोपवे का संचालन शुरू होने के साथ ही गंजारी में बन रहा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम भी शुरू हो जाएगा। इसी के साथ काशी के पर्यटन विकास को पंख लग जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रांड बनारस और मजबूत होगा। बाबा विश्वनाथ को भिक्षा देने वाली माता अन्नपूर्णा मंदिर का शिखर स्वर्णमंडित होगा। इससे काशी की आभा और दमक उठेगी।

गंजारी स्टेडियम के बनने से काशी पर्यटन का बहुत बड़ा केंद्र बनकर उभरेगी। यह देश का पहला स्टेडियम होगा जिसके भवन व डिजाइन में बाबा विश्वनाथ और उनकी नगरी काशी की झलक दिखेगी। एक साथ 30 हजार दर्शक बैठकर मैच का आनंद उठा सकेंगे। 451 करोड़ की लागत से बन रहे स्टेडियम के प्रवेश द्वार के ऊपर बेलपत्रों की डिजाइन होगी।

इसी प्रकार देश के पहले पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोपवे का संचालन मई 2025 तक शुरू होगा। कैंट रेलवे स्टेशन से गोदौलिया तक बनने वाले रोपवे की लंबाई 3.75 किमी है। 153 ट्राली का संचालन होगा। 16 मिनट में यह यात्रा परी होगी। कैंट के सेकेंड इंट्री द्वार का विस्तार होगा। इसी के साथ

होगा। राजघाट के पास रेल रोड ब्रिज की नींव रखी जाएगी। ककरमत्ता रेलवे क्रॉसिंग पर अंडरपास बनेगा।

काशी में और बेहतर होंगी स्वास्थ्य सुविधाएं

मानसिक अस्पताल परिसर पांडेयपुर में 400 बेड का मेडिकल कॉलेज मिलेगा। मंडलीय अस्पताल कबीरचौरा में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक

काम शुरू होगा। आईएमएस बीएचयु के ट्रॉमा सेंटर में क्रिटिकल केयर यूनिट की सुविधा मिलेगी। नेशनल जीरियाट्रिक सेंटर से बुजुर्गों की देखरेख आसान होगी। शहर के दो प्रमुख स्वास्थ्य केंद्रों पर डायलिसिस की निशुल्क सेवा शुरू की जाएगी।

नए साल में रोहतक तक जाएगी महामना, मेरठ-वाराणसी वंदे भारत के रूप में एक और

गुजरते साल में वाराणसी को रेल परिवहन में कई सौगातें मिली। एक के बाद एक बनारस की झोली में देश की सेमी हाईस्पीड पांच वंदे भारत टेन आई। आने वाले नए साल में भी रेल यात्रियों का सफर सहाना होगा। मकर संक्रांति के बाद महामना एक्सप्रेस को दिल्ली के बजाए रोहतक तक चलाया जाएगा। रोहतक, नई दिल्ली और वाराणसी का



जुड़ाव महामना से होगा। पांच नए कोच बढेंगे। इसके अलावा मेरठ-लखनऊ वंदे भारत को भी वाराणसी से जोड़ने की तैयारी है। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की ओर से रूट का सर्वे कराया जा रहा है। संभावना है कि महाकुंभ के दौरान ही इस

ट्रेन को हरी झंडी दिखाई जाएगी। बनारस को मिलेगी सातवीं वंदे भारत ट्रेन

वाराणसी से नई दिल्ली रूट पर सुबह और अपराहन दो वंदे भारत, झारखंड के देवघर और रांची के बीच दो वंदे भारत और पटना-लखनऊ वाया वाराणसी के बीच एक वंदे भारत एक्सप्रेस और आगरा-बनारस के बीच एक वंदे भारत एक्सप्रेस की सुविधाएं वर्तमान में हैं। वाराणसी से छह वंदे भारत ट्रेनें संचालित होती हैं। ऐसे में मेरठ-लखनऊ वंदे भारत को वाराणसी से संचालन किए

व्यापारियों और इंजीनियरिंग, मेडिकल की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं को भी बडी सहलियत होगी। वहीं, 16 कोच की महामना एक्सप्रेस में पांच और कोच बढ़ेंगे।सीटों की कमी खत्म होगी।हर वर्ग के यात्रियों को सीटें मिलेंगी।

मजेंटा लाइन

प्लेटफार्म संख्या 10 और 11 पर बढ़ेंगी ट्रेनों की संख्या

कैंट रेलवे स्टेशन पर दो नए प्लेटफार्म 10 और 11 पर ट्रेनों की संख्या भी बढ़ाई जाएंगी । मौजूदा समय में 24 घंटे में दो से तीन ट्रेनें

ही दोनों नए प्लेटफार्म से संचालित होती हैं। नए साल में ट्रेनों की संख्या 10 से अधिक होंगी। मेमू, डेम् और स्पेशल ट्रेनों का संचालन इन्हीं प्लेटफार्मों से होगा। उस हिसाब से यात्री सुविधाएं भी विकसित किए जा रहे हैं।

2642 करोड़ से रेल-रोड ब्रिज की रखी जाएगी नींव

परिवहन को रफ्तार और पर्यटन को उड़ान देने के उद्देश्य राजघाट पर रेल-रोड नए ब्रिज की नींव भी 2025 में रखी जाएगी। 2642 करोड़ से बनने वाले पुल का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही शिलान्यास करेंगे। वाराणसी-चंदौली समेत अन्य जिलों को जोड़ने वाले इस पुल पर सिक्स लेन की सड़क और नीचे चार लेन का रेलवे टैक बिछाया जाएगा। सभी मंजूरी प्रक्रिया लगभग फाइनल है।

द्रांसपोर्टर्स रिप्रेजेटेटिव वेलफेयर एसोसिएशन पंजीकृत द्वारा परिवहन विशेष समाचार पत्र की समस्त टीम का स्वागत किया

परिवहन विशेष न्यूज

नईदिल्ली।दिनांक 1 जनवरी 2025 को दिल्ली में नवगठित समिति "ट्रांसपोर्टर्स रिप्रेजेंटेटिव वेलफेयर एसोसिएशन पंजीकृत" द्वारा एक मिलन समारोह में परिवहन विशेष हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के संपादक संजय बाटला और समस्त टीम का स्वागत किया और नव वर्ष की ढेर सारी शुभकामनाएं भी दी।

स्वागत करने के लिए समिति के अध्यक्ष राजेश कक्कड़, महासचिव के के छाबड़ा, सचिव देवेन्द्र यादव के साथ अन्य कई सदस्यों उपस्थित रहे।

स्वागत के दौरान समिति के अध्यक्ष राजेश कक्कड़ ने कहा की परिवहन क्षेत्र से जुड़ी खबर को जन - जन तक पहुंचाने के लिए हमारी नव गठित टीम की और से परिवहन विशेष हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के संपादक और समस्त टीम को नृतन वर्ष 2025 की ढेर

महासचिव के के छाबड़ा ने शाल पहना कर संपादक संजय बाटला का स्वागत किया. सचिव देवेन्द्र यादव एवम् अन्य सदस्यों ने हार पहना कर संपादक का स्वागत किया।

समिति के महासहिव के के छाबडा ने

मिलन समारोह में सभी को संबोधन करते हुए बताया की दिल्ली में व्यवसायिक वाहन श्रेणी में जुड़े व्यवसाई, चालक और कर्मचारियों की तरफ से 5 जनवरी 2025 को प्रेस कॉन्फ्रेंस की जा रही है जिसमें परिवहन विभाग की गलत नीतियों और परिवहन आयुक्त के गैर कानूनी आदेशों जिनके कारण वाहन मालिकों को हो रही परेशानियों और नुकसानों के प्रति सभी राजनीतिक दलों, दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल को अवगत करवा कर मदद की गहार लगाने पर भी कोई कार्यवाही नहीं होने के बाद मतों और राजनीतिक दलों के बहिष्कार के साथ वाहनों के चक्का ठामने की घोषणा की जा सकती हैं। उन्होंने बताया की दिल्ली के कुल मतों में 60% मत सिर्फ परिवहन क्षेत्र से जुड़े वोटो की है और आज सभी परेशान है। चाहे वह बस मार्शल हो, डीटीसी चालक या कंडक्टर हो या दिल्ली में व्यवसायिक श्रेणी में पंजीकृत वाहन मालिक हो। अंत में उन्होंने बताया की सब कुछ परिवहन आयुक्त जो कर रहा है इसके पीछे सीधे तौर पर दिल्ली सरकार, उपराज्यपाल और भाजपा की मिली जुली साजिश है। और अब परिवहन से जुड़े लोग इसे और बर्दाश्त नहीं करेंगे।

नववर्ष के मौके पर धार्मिक स्थलों पर उमड़े श्रद्धालु, हिमाचल-उत्तराखंड में पर्यटकों का उत्साह चरम पर

नववर्ष के मौके पर मां वैष्णो देवी का आर्शीवाद लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु कटड़ा पहुंचे हैं। वर्ष के अंतिम दिन अयोध्या में रामलला और वृंदावन में बांके बिहारी के दर्शन को श्रद्धालुओं का सैलाब सा उमड़ पड़ा। वर्ष के पहले दिन भी भक्तों की भारी भीड़ होने के अनुमान को देखते हुए दोनों जगहों पर विशेष प्रबंध किए गए हैं।

नई दिल्ली। नववर्ष के मौके पर मां वैष्णो देवी का आर्शीवाद लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु कटड़ा पहुंचे हैं। चारों तरफ मां के जयकारे गूंज रहे हैं। दर्शन ड्योढ़ी पर एक किलोमीटर लंबी तो भवन पर डेढ़ किलोमीटर लंबी श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। मंगलवार रात दस बजे तक 41,445 श्रद्धालु मां वैष्णो देवी भवन की ओर रवाना हो चुके थे।

अयोध्या, वृंदावन में भक्तों की भारी भीड़

वर्ष के अंतिम दिन अयोध्या में रामलला और वृंदावन में बांके बिहारी के दर्शन को श्रद्धालुओं का सैलाब सा उमड़ पड़ा। वर्ष के पहले दिन भी भक्तों की भारी भीड़ होने के अनुमान को देखते हुए दोनों जगहों पर विशेष प्रबंध किए गए हैं। न केवल रामजन्मभूमि पथ पर लेन बढ़ा दी गई हैं, बल्कि मंदिर में भी सिंह द्वार से आगे अब दो कतार में श्रद्धालु आगे बढ़ेंगे। उधर, बांकेबिहारी मंदिर के बाहर मंगलवार को एक किमी लंबी कतार लगी

बांके बिहारी में भीड़ के दबाव में एक महिला श्रद्धालु की तबीयत बिगड़ गई

पूरे दिन धक्का-मुक्की चलती रही। भीड़ के दबाव में एक महिला श्रद्धालु की तबीयत बिगड़ गई। साल के पहले दिए बुधवार को दर्शन के लिए



विविध विशेष

दो लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। हिमाचल में पर्यटकों ने किया नववर्ष का स्वागत हिमाचल में करीब 45 हजार वाहनों से पहुंचे ढाई लाख पर्यटकों ने नववर्ष का जश्न मनाया।

राजधानी शिमला सहित मनाली, कसौली, धर्मशाला, मैक्लोडगंज, चायल आदि प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में पर्यटकों ने नववर्ष का स्वागत किया। कुफरी, नारकंडा, नालदेहरा व मशोबरा सहित जिला के सभी होटल भरे रहे। धर्मशाला, चंबा. खजियार सहित अन्य स्थानों पर भी पर्यटकों की भीड़ रही। पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन "सह के निधन के चलते राजधानी शिमला में विंटर

कार्निवाल को स्थगित कर दिया गया था। इसके चलते रिज पर कोई कार्यक्रम नहीं हुआ।

शिमला में मंगलवार शाम ढलते ही नए साल का जश्न शुरू हो गया

बावजूद इसके पर्यटक रातभर नए साल का जश्न मनाते रहे।शिमला में मंगलवार शाम ढलते ही नए साल का जश्न शुरू हो गया था। इस बीच वर्ष के अंतिम दिन प्रदेश के मंदिरों में हजारों श्रद्धालुओं ने माथा टेका और नए वर्ष में खुशहाली

राजधानी शिमला के जाखू मंदिर, तारादेवी के अलावा प्रदेश के श्री नयनादेवी, ज्वालाजी,

नए साल की शुरुआत के साथ आम लोगों

को प्रभावित करने वाले कई नियमों में भी

बदलाव होने जा रहा है। सभी प्रमुख कार

परिवर्तन होगा। एक जनवरी से जीएसटी

से जुड़े कई नियमों में बदलाव होने जा रहा

है। वहीं अब बेसिक या फीचर फोन से भी

बैंक अकाउंट से पैसा ट्रांसफर कर सकते

नई दिल्ली। नए साल की शुरुआत के साथ

आम लोगों को प्रभावित करने वाले कई नियमों

में भी बदलाव होने जा रहा है। सभी प्रमुख कार

कंपनियों के वाहन जहां महंगे हो जाएंगे वहीं

फिक्स्ड डिपॉजिट से जुड़े नियमों में

कंपनियों के वाहन जहां महंगे हो जाएंगे वहीं

चिंतपूर्णी, बगलामुखी में दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। नववर्ष का उत्सव मनाने के लिए कुछ ऐसा ही हाल उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों पर भी देखने को मिला।

60 हजार पर्यटक पहुंचे

नैनीताल, रामनगर, कैंची धाम से लेकर मुनस्यारी तक करीब 60 हजार पर्यटक पहुंचे हैं। मसुरी, औली, केदारकांठा, धनौल्टी, लैंसडौन में भी पर्यटकों से होटल पैक हैं। जम्मू कश्मीर में दो जनवरी से पहलगाम में विंटर कार्निवल का आयोजन होगा, जिसमें घाटी की सभ्यता व संस्कृति को दर्शाया जाएगा।

नए साल के मौके पर देश में लागू हो रहे ये बदलाव, बदलेंगे FD के नियम

पीएम मोदी ने देशवासियों को नए साल की दी शुभकामनाएं, काव्यात्मक अंदाज में लिखा भावपूर्ण संदेश

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मविश्वास से भरे भारत के मड को दर्शाते हए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में देश के लोगों को नए साल की शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने एक भावपूर्ण संदेश में लिखा कि स्पेस से लेकर धरती तक रेलवे से लेकर रनवे तक संस्कृति से लेकर नवाचार तक भारत के लिए 2024 अभृतपूर्व प्रगति और परिवर्तन के वर्ष के रूप में दर्ज किया गया।

नर्ड दिल्ली। देश के साथ विश्व भर में नए साल 2025 का शानदार आगाज हो चका है। नए साल के स्वागत के बाद लोग एक दूसरे को बधाईयां दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मविश्वास से भरे भारत के मूड को दर्शाते हुए इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट में देश के लोगों को नए साल की शुभकामनाएं दीं। साथ ही 2024 में हासिल की गई उल्लेखनीय प्रगति और परिवर्तन को याद किया।

पीएम मोदी ने एक भावपूर्ण संदेश में लिखा

पीएम मोदी ने इसे एक ''काव्यात्मक उत्सव'' बताते हुए एक्स पर साझा अपनी पोस्ट में कहा, ''मेरा भारत बढ़ रहा।'' पीएम मोदी ने एक भावपूर्ण संदेश में लिखा, ''स्पेस से लेकर धरती तक. रेलवे से लेकर रनवे तक. संस्कृति से लेकर नवाचार तक. भारत के लिए 2024 अभूतपूर्व प्रगति और परिवर्तन के वर्ष के रूप में दर्ज किया

हम 2025 में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, ''यह एक काव्यात्मक उत्सव है क्योंकि हम 2025 में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं।'' पीएम मोदी ने नए साल के पोस्ट में 2.41 मिनट का एक वीडियो-एनिमेशन शेयर किया, जिसमें साल 2024 में हासिल की गई उपलब्धियों को दर्शाया गया। वीडियो में देश के अंतरिक्ष प्रक्षेपण, सुपर-कंप्यूटिंग, रक्षा विनिर्माण में वृद्धि, विमानन उद्योग में वृद्धि, पानी के नीचे हावड़ा मैदान मेट्रो, रामेश्वरम रेल पुल और वंदे भारत रेल जैसे बुनियादी ढांचे के चमत्कार शामिल हैं। मेडिकल कालेजों की संख्या में वृद्धि और जनता के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास, अबू धाबी में पहले मंदिर और तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू करने को भी उजागर किया गया।

पीएम मोदी ने देशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी

2024 में सरकार के प्रदर्शन के वर्चुअल रिपोर्ट कार्ड, एनीमेशन क्लिप में अर्थव्यवस्था के बारे में विशेष जानकारी दी गई। 700 अरब डालर के विदेशी भंडार के अलावा. इसने एशिया में तीसरी सबसे बड़ी ताकत के रूप में देश के उभरने और 24.82 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने को भी दर्शाया। 17 सितंबर को अपना जन्मदिन सैन्य जवानों के साथ मनाने वाले पीएम मोदी ने देशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी हैं।

मेट्रो शहरों में नए साल को लेकर विशेष इंतजाम किए गए

नए साल के स्वागत के लिए विभिन्न शहरों में कई आयोजन किए गए। जहां पर एक दिन पहले से ही लोगों का जमावड़ा शुरु हो गया था। नए साल के जश्न में कोई दिक्कत ना हो इसको देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। शहरों में देर रात तक रौनक देखने मिली। मेट्रो शहरों में नए साल को लेकर विशेष इंतजाम किए गए हैं।

अपनी कमजोर हिंडुयों को मजबूत बनाने के लिए काजू को इन तरीकों से करें डाइट में शामिल

कमजोर हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए काजु को अपने डाइट में शामिल करें। इसे काजू दूध ड्राई फ्रूट्स स्मूदी काजू चटनी सलाद ड्रेसिंग कार्जू करी एनर्जी बार और हलवा के रूप में खाएं। काजू में मौजूद कैल्शियम मैग्नीशियम और फास्फोर्स हिंडुयों को मजबूत बनाते हैं। इसे अपने नाश्ते लंच या रनैक्स में शामिल कर हड्डियों को स्वस्थ और मजबूत रख सकते हैं।

नईदिल्ली।काजुएक बेहद पौष्टिक और स्वादिष्ट ड्राई फ्रूट है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इसमें कैल्शियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम और अन्य जरूरी मिनरल भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो हिंडुयों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। काजू को नियमित रूप से अपनी डाइट में शामिल करने से हड्डियों को स्वस्थ रखने के साथ-साथ शरीर के अन्य अंगों के लिए भी फायदेमंद होता है। काजू को सिर्फ साबुत खाने की जगह, इनसे आप कई तरह की डिशेज भी बना सकते हैं। आइए जानते हैं कि आप अपनी डाइट में काजू को किस तरह शामिल कर सकते हैं।

काजू दूध एक स्वादिष्ट और पौष्टिक ऑप्शन है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए परफेक्ट है।

बनाने की विधिः काज को रात भर पानी में भिगो दें। फिर पानी के साथ ब्लेंड करके एक

मलाईदार दूध तैयार करें। काजू और ड्राई फ्रूट्स स्मूदी

सुबह के समय एक ताजगी और एनर्जेटिक शुरुआत के लिए काजू को अन्य ड्राई फ्रूट्स के साथ स्मूदी में मिलाएं।

विधिः काजू, बादाम, अखरोट, केला और दही को ब्लेंड करके एक पौष्टिक स्मूदी बनाएं। काजू की चटनी

काजू का इस्तेमाल चटनी बनाने के लिए भी किया जा सकता है, जो खाने का स्वाद बढ़ाती

विधिः काजू को भूनकर उसमें धनिया, हरी मिर्च, अदरक और नींबू का रस मिलाकर पीस लें। यह चटनी पराठे, रोटियों या स्नैक्स के साथ स्वादिष्ट लगती है।

यह भी पढ़ें: एक नहीं, काजू से तैयार हो सकती हैं 100 तरह की डिशेज, स्वाद में तड़का लगा देंगी ये रेसपिीज

काजू का सलाद ड्रेसिंग

कार्जू से बना सलाद ड्रेसिंग आपके सलाद को और भी स्वादिष्ट बना देगा।

विधिः काजू, जैतून का तेल, नींबू का रस, काला नमक और थोड़ा सा लहसुन मिलाकर एक ड्रेसिंग तैयार करें।

> काजू की करी काजू को अपनी पसंदीदा करी में मिलाकर

एक स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन बनाएं।

विधिः काजु को भूनकर अपनी पसंदीदा करी

फिक्स्ड डिपॉजिट से जुड़े नियमों में परिवर्तन होगा। नया साल किसानों के लिए अच्छी खबर लेकर आया है, क्योंकि अब उन्हें पहले से ज्यादा कर्ज मिल सकेगा। फीचर या बेसिक फोन प्रयोग करने वाले अपने अकाउंट से अब ज्यादा पैसा टांसफर कर सकेंगे। जीएसटी नियम में बदलाव एक जनवरी से जीएसटी से जुड़े कई

नियमों में बदलाव होने जा रहा है। इसमें मल्टी फैक्टर आथेंटिकेशन (एमएफए) भी शामिल है। यह प्रक्रिया उन सभी पर लागू होगी जो जीएसटी फाइल करते हैं। इसका उद्देश्य जीएसटी फाइलिंग प्रक्रिया को और सुरक्षित



यूपीआइपे पर बढ़ी लिमिट

वे यूजर्स जो स्मार्टफोन इस्तेमाल नहीं करते, वे अपने बेसिक या फीचर फोन से भी बैंक अकाउंट से पैसा टांसफर कर सकते हैं। इसकी सीमा पहले पांच हजार रुपये थी। एक जनवरी से इसे बढ़ाकर 10 हजार रुपये कर दिया गया है। अब लोग ज्यादा रकम का लेनदेन कर सकेंगे।

किसानों को मिलेगा ज्यादा लोन एक जनवरी से किसानों को अब बिना

गारंटी के दो लाख रुपये तक का लोन मिल सकेगा। आरबीआइ ने हाल ही में इसके बारे में घोषणा की थी। केंद्रीय बैंक ने कहा था कि किसानों दिए जाने वाले लोन की सीमा को 1.60 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये किया जाता है।

बढ़ेंगी कार की कीमतें

एक जनवरी से कार खरीदना महंगा होगा। मारुति सुजुकी, हुंडई, महिंद्रा, होंडा, बीएमडब्ल्यु आदि ने तीन प्रतिशत तक कीमत बढाने का एलान किया है।

एफडी के नियम भी बदलेंगे

अगर आप निवेश के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को तवज्जो देते हैं तो एक जनवरी से इसमें भी कुछ बदलाव होने जा रहे हैं। आरबीआई ने एनबीएफसी के लिए एफडी से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। ये बदलाव एफडी में जमा रकम को मेच्योरिटी से पहले निकालने से जुड़े हैं।

अमेजन प्राइम मेंबरशिप में लिमिट तय

अमेजन प्राइम की मेंबरशिप में भी एक जनवरी से बदलाव हो रहे हैं। अब एक प्राइम अकाउंट से से केवल दो टीवी पर ही प्राइम वीडियो देख सकेंगे। अगर उस अकाउंट से तीसरे टीवी पर प्राइम वीडियो देखना चाहेंगे तो इसके लिए अलग से सब्सक्रिप्शन लेना होगा। पहले एक प्राइम अकाउंट से पांच डिवाइस (टीवी या स्मार्टफोन) तक पर वीडियो देखे जा

रूपे क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल

एक जनवरी से रूपे क्रेडिट कार्ड से जुड़े कछ नियम भी बदल रहे हैं। नेशनल पेमेंट कारपोरेशन आफ इंडिया (एनपीसीआइ) ने इसके लिए गाइडलाइन जारी कर दी हैं। नए नियमों के तहत प्रत्येक रूपे क्रेडिट कार्ड यूजर एयरपोर्ट पर लाउंज एक्सेस नहीं कर पाएगा। यह सुविधा क्रेडिट कार्ड से खर्च होने वाली रकम के आधार पर मिलेगी।

नए साल में पहली फुर्सत में करवाएं 5 हैल्थ चैकअप, रिपोर्ट्स चाहे जो आए; हमें थैंक्स ही कहेंगे

हेल्दी रहना हमारी सबसे पहली प्रायोरिटी होना चाहिए। इसलिए जरूरी है कि आप समय समय कछ हेल्थ टेस्ट्स करवाएं। इनकी मदद से आपकी सेहत कैसी है इसका पता लगता है और किसी भी बीमारी का पता लगाने में भी मदद मिलती है। इसलिए इस नए साल 2025 से यहां बताए गए 5 टेस्ट्स (Health Check-ups) आपको भी नियमित रूप से जरूर करवाने चाहिए

नई दिल्ली।स्वस्थ रहना आज के समय में सबसे जरूरी है। हेल्दी रहते हुए ही हम अपने जीवन का पूरा आनंद ले पाते हैं, लेकिन कई बार हम अपने बिजी रूटीन में अपनी सेहत की अनदेखी कर देते हैं। इसलिए समय-समय पर हेल्थ चेकअप करवाना बहुत जरूरी है, क्योंकि इससे कई गंभीर बीमारियों का समय रहते पता चल जाता है और उनका इलाज आसानी से किया जा सकता है। यहां हम आपको 5 कॉमन हेल्थ टेस्ट्स बता रहे हैं, जो सभी को करवाने चाहिए।

साल 2025 में कौन से 5 हेल्थ चेकअप करवाने चाहिए?

कम्प्लीट ब्लड काउंट (CBC)- यह एक नॉर्मल टेस्ट है जो आपके खून में रेड ब्लड सेल्स, व्हाइट ब्लड सेल्स और प्लेटलेट्स की संख्या की जांच करता है। यह एनीमिया, इन्फेक्शन और दूसरी कई तरह की बीमारियों का पता लगाने में मदद करता



कर सकती है। ब्लड प्रेशर चेक- हाई ब्लड प्रेशर एक साइलेंट किलर है। यह अक्सर बिना किसी लक्षण के होता है। नियमित रूप से ब्लड प्रेशर चेक करवाना बहुत जरूरी है। हाई ब्लड प्रेशर दिल की बीमारियों, स्ट्रोक और किडनी की बीमारियों का खतरा बढ़ाता है।

कोलेस्ट्रॉल टेस्ट- कोलेस्ट्रॉल एक प्रकार का फैट है जो आपके खून में पाया जाता है। हाई कोलेस्ट्रॉल दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ाता है।

थायराइड टेस्ट- थायराइड ग्लैंड आपके शरीर के मेटाबॉलिज्म को कंट्रोल करती है। थायराइड की समस्याएं कई तरह की हो सकती हैं जैसे हाइपरथायराइडिज्म और हाइपोथायराइडिज्म। इन समस्याओं के

लक्षणों में थकान, वजन बढना या कम होना, बालों का झडना आदि शामिल हैं। क्यों हैं ये हेल्थ चेकअप जरूरी?

बीमारियों का समय रहते पता चल जाता है- नियमित हेल्थ चेकअप से कई गंभीर बीमारियों का समय रहते पता चल जाता है, जिससे उनका इलाज आसानी से किया जा

लाइफस्टाइल में सुधार- हेल्थ चेकअप के रिपोर्ट्स से आपको यह पता चल सकता है कि लाइफस्टाइल में क्या-क्या सुधार करने

जरूरी हैं। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सधार- नियमित हेल्थ चेकअप से आप अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बारे में ज्यादा जागरूक हो जाते हैं।

कब करवाएं हेल्थ चेकअप? एनुअल हेल्थ चेकअप- हर साल कम से कम एक बार पूरा हेल्थ चेकअप करवाना

डॉक्टर की सलाह के अनसार- अगर आपको किसी बीमारी का खतरा है या कोई लक्षण दिखाई दे रहा है तो आपको डॉक्टर की सलाह के अनुसार हेल्थ चेकअप करवाना

कहां करवाएं हेल्थ चेकअप? आप अपने नजदीकी अस्पताल या क्लिनिक में हेल्थ चेकअप करवा सकते हैं। कई निजी लैब भी हेल्थ चेकअप की सुविधा आसानी से मिल जाती है।

हेल्थ चेकअप के लिएक्या करें? डॉक्टर से सलाह लें- हेल्थ चेकअप करवाने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

खाली पेट रहें- कुछ टेस्ट खाली पेट ही करवाए जाते हैं इसलिए टेस्ट करवाने से पहले कुछ घंटे तक कुछ न खाएं।

अपनी दवाओं की लिस्ट तैयार करें-

डॉक्टर को अपनी सभी दवाओं की लिस्ट दें। अपने डॉक्टर के सवालों का जवाब ईमानदारी से दें- डॉक्टर आपके स्वास्थ्य के बारे में ज्यादा जानकारी हासिल करने के लिए कुछ सवाल पूछ सकते हैं। इनका जवाब

ईमानदारी से दें।

डिनर के बाद रोजाना चबा लें 2 हरी इलायची, मिलेंगे ऐसे फायदे कि इसे आदत बना लेंगे आप

भारतीय रसोई के मसाले सदियों से खाने को स्वादिष्ट बनाने के साथ-साथ सेहत को भी बेहतर बनाने में खास भूमिका निभाते रहे हैं। इलायची भी इन्हीं में से एक है जो एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों का खजाना होती है। यहां हम आपको बताएंगे कि अगर आप रोजाना डिनर के बाद 2 हरी इलायची चबा लेते हैं तो इससे क्या–कुछ फायदे मिल सकते हैं।

भारतीय रसोई में मसालों की खास जगह है। यह न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाते हैं बल्कि हमारी सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होते हैं। इनमें से एक है हरी इलायची। अपनी मनमोहक सुगंध के लिए जानी जाने वाली हरी इलायची न सिर्फ तरह-तरह के व्यंजनों में एक अलग स्वाद और ख़ुशबू जोड़ती है बल्कि सेहत से जुड़े फायदों से भी भरपूर

इलायची में पाए जाने वाले बीजों में कई औषधीय गुण होते हैं, जो हमारे शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद होते हैं। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देती है और सेहत से जुड़ी कई समस्याओं से लड़ने में मदद करती है। आइए विस्तार से जानते हैं कि रोजाना डिनर के बाद हरी इलायची खाने से क्या-क्या फायदे (Hari Elaichi Khane ke Fayde) होते हैं।

डिनर के बाद इलायची क्यों है फायदेमंद?

डाइजेशन में सुधार

इलायची में पाए जाने वाले ऑयल्स डाइजेशन एंजाइम्स को उत्तेजित करते हैं, जिससे भोजन का पाचन बेहतर होता है। यह कब्ज, एसिडिटी और गैस जैसी पाचन संबंधी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद कर सकती है। इसके अलावा, इलायची में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स पाचन तंत्र को हेल्दी रखने में मदद करते हैं।

मुंह की बदबू को दूर करें इलायची में एँटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो

मुंह में मौजूद बैक्टीरिया को मारने में मदद करते हैं, जो मुंह की बदबू का मुख्य कारण होते हैं। रात के खाने के बाद इलायची चबाने से आपकी सांसे ताजा रहेगी।

स्टेसकमकरें

इलायची में कुछ ऐसे तत्व होते हैं जो स्ट्रेस को कम करने में मदद करते हैं। यह ब्रेन में सेरोटोनिन के स्तर को बढ़ाकर काम करता है, जो एक न्यूरोट्रांसमीटर है जो मूड को बेहतर बनाने में मदद करता है।

हार्ट के लिए फायदेमंद

इलायची में पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स होते हैं जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। यह दिल की बीमारियों के खतरे को कम करने में भी मदद कर सकती है।

वजन घटाने में मदद

इलायची में मौजूद फाइबर आपको लंबे समय तक फुल महसूस कराता है, जिससे आप कम खाते हैं और वजन कम करने में मदद मिलती है। इसके अलावा, इलायची आपके मेटाबॉलिक रेट को बढ़ाने में भी मदद कर सकती है, जिससे कैलोरी जलने की दर बढ़ जाती है।

इसके इलावा रोजाना इलायची खाने से आपका इम्युन सिस्टम भी मदजूत होता है क्योंकि इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं।

'22 नवंबर को लिया गया था धार्मिक स्थलों को तोड़ने का फैसला', मुख्यमंत्री आतिशी का दावा

आम आदमी पार्टी ने भाजपा और एलजी पर मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों को तोडने का आरोप लगाया है। पार्टी का दावा है कि राजनिवास दिल्ली सरकार की जिस धार्मिक समिति के मंदिर तोड़े जाने के किसी फैसले के नहीं होने का दावा कर रहा है उसी धार्मिक समिति ने गत 22 नवंबर को दिल्ली के कई मंदिरों और बौद्ध स्थलों को तोड़े जाने का फैसला लिया है।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों को तोड़ने का फैसला लेने का आरोप लगाते हुए बुधवार को फिर भाजपा और एलजी पर फिर हमला बोला।

मख्यमंत्री आतिशी ने प्रेसवार्ता कर दावा किया कि राजनिवास दिल्ली सरकार की जिस धार्मिक समिति के मंदिर तोड़े जाने के किसी फैसले के नहीं होने का दावा कर रहा है, उसी धार्मिक समिति ने गत 22 नवंबर को दिल्ली के कई मंदिरों और बौद्ध स्थलों को तोड़े जाने का फैसला लिया है।

सरकार दिल्ली के किसी धार्मिक स्थल को नहीं तोड़ने देगी-आतिशी

उन्होंने कहा कि इसकी फाइल एलजी के पास भेजी गई थी, जिस पर एलजी ने अनुमित भी



दे दी है। आतिशी ने मांग की कि एलजी इस फैसले को तुरंत वापस लें। उनकी सरकार दिल्ली के किसी धार्मिक स्थल को नहीं तोड़ने

www.newsparivahan.com

उन्होंने कहा कि दिल्ली में एक धार्मिक समिति मंदिरों को स्थानांतरित और धार्मिक स्थल की तोडफोड जैसे कामों को लेकर फैसला लेती है। सप्रीम कोर्ट के आदेश पर धार्मिक समिति का गठन हुआ था।

'पिछले साल से एलजी ने इसे कानुन -व्यवस्था का बतया था मुद्दा

यह समिति दिल्ली सरकार के गृह मंत्री के अधीन आती थी और पिछले साल तक जो भी धार्मिक समिति के फैसले होते थे, उन्हें पहले

दिल्ली सरकार के गृह मंत्री के सामने रखा जाता था।

अगर गह मंत्री उन फैसलों को मंजूरी दें तभी किसी मंदिर या धार्मिक स्थल की किसी भी प्रकार की कार्रवाई और तोड़फोड़ होती थी। लेकिन पिछले साल से एलजी ने इस मामले को कानून -व्यवस्था का मुद्दा बताकर अपने अंतर्गत ले लिया है। अब यह समिति प्रधान सचिव (गृह) की अध्यक्षता में काम कर रही है जो सीधे एलजी को रिपोर्ट कर रही है। कहां-कहां हैं धार्मिक स्थल

सीएम आतिशी (CM Atishi) ने एक आदेश की कॉपी मीडिया को देते हुए कहा कि इसमें 26 ब्लाक वेस्ट पटेल, पॉकेट-एन दिलशाद गार्डन, बी-ब्लॉक

सीमापुरी, गोकुलपुरी के मकान नंबर 395 के

न्यु उस्मानपुर फ्लैट्स के गेट नंबर-एक के पास तथा आंबेडकर पार्क बी-तीन ब्लॉक सुल्तानपुरी में हनुमान जी की मूर्ति। एक बौद्ध धर्म का स्थल आई ब्लॉक सुंदर नगरी में है। यहां पर बाबा साहब आंबेडकर की एक मर्ति भी है।

100 से ज्यादा CCTV कैमरे खंगाले... फिर मिली बदमाश की लोकेशन; हत्थे चढ़े गिरोह के तीन सदस्य

परिवहन विशेष न्यूज़

दिल्ली पुलिस ने वाहन चोरी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से तीन चोरी के वाहन 14 वाहनों की नंबर प्लेट और कई स्पेयर पार्ट्स बरामद हुए हैं। पुलिस गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। आगे जानिए आखिर इस गिरोह के बदमाश कैसे वारदात को अंजाम देते थे ?

नई दिल्ली।दिल्ली में सराय रोहिल्ला थाना पुलिस की टीम ने वाहन चोरी गिरोह पर बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी के वाहनों के रिसीवर सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से तीन चोरी के वाहन, 14 वाहनों की नंबर प्लेट और कई स्पेयर पार्ट्स और चोरी के उच्च तकनीक वाले उपकरण बरामद हुए हैं।

बदमाशोंकीहुईपहचान इसके अलावा वाहन चोरी में इस्तेमाल की गई एक हंडई आई-

10 कार भी जब्त की गई है। आरोपितों की पहचान बुध विहार निवासी मनीष उर्फ मणि, बेगमपुर निवासी राहुल और रिसीवर विकासपरी निवासी हरविंदर सिंह उर्फ बख्शीश के रूप में हुई है।

पुलिस ने 100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले

उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, 16 दिसंबर को इंद्रलोक और सराय रोहिल्ला क्षेत्र से ईको वैन और वैगन-आर कार की चोरी के संबंध में शिकायत दर्ज हुई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर क्षेत्र के 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिससे पता चला कि वाहन विकासपुरी के डीडीए पार्क के पास खड़े थे, जहां स्कूटी सवार अगले दिन वहां से चोरी के वाहन

मोबाइल की लोकेशन से पकड़ में आएबदमाश

वहीं, जांच करने पर स्कूटी सवार की पहचान विकासपुरी निवासी बख्शीश के रूप में हुई। टीम ने लगातार उसके मोबाइल नंबर की लोकेशन की जांच करते

हुए पकड़ लिया। उसका असली नाम हरविंदर सिंह था।

वाहनों के पुर्जे अलग करके बेचते थे बदमाश

पूछताछ में उसने बताया कि मनीष नामक व्यक्ति ने उसे चोरी के वाहन उपलब्ध कराए थे। हरविंदर की निशानदेही पर मादीपुर एक आई-10 कार और मनीष और राहल नामक दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपित चोरी के वाहनों और उनके पुर्जों को अलग करके बेच देते थे।

तीन कार समेत पार्ट्स हुए

पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चोरी की एक ईको वैन और दो वेगनआर, एक आई-10 कार, दो गाड़ियों के इंजन, अलग-अलग चोरी हुए वाहनों से संबंधित चौदह नंबर प्लेट, रेडिएटर, फ्यूल बाक्स, डैशबोर्ड और एक सीएनजी गैस सिलेंडर सहित महत्वपूर्ण पार्ट्स बरामद किए हैं। पुलिस गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

दिल्ली में नए साल का दिखा जश्न, मंदिरों- पर्यटन स्थलों और पार्कों में उमड़ी भारी भीड़

परिवहन विशेष न्यूज़

नए साल के जश्न में दक्षिणी दिल्ली के मंदिरों पर्यटन स्थलों और पार्कों में भारी भीड़ उमड़ी। कालकाजी जगन्नाथ इस्कॉन और छतरपुर मंदिर में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। वहीं हुमायूं का मकबरा कुतुब मीनार लोधी गार्डन सुंदर नर्सरी सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों व पार्कों में भी लोगों की खासी भीड़ रही। भीड़ के चलते दक्षिणी दिल्ली में अलग-अलग जगहों पर भीषण जाम लगा रहा।

दिल्ली। नववर्ष पर बुधवार को दक्षिणी दिल्ली के मंदिरों, पर्यटन स्थलों और पार्कों में लोगों की भारी उमड़ी। साल की शुभ शुरुआत के लिए कई भक्तों ने अपने परिवार के साथ कालकाजी, जगन्नाथ, इस्कॉन और छतरपुर मंदिर में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगा।

इसके अलावा खासी संख्या में लोग पिकनिक मनाने पर्यटन स्थलों और पार्कों में पहुंचे। हुमायुं का मकबरा, कृतुब मीनार, लोधी गार्डन, सुंदर नर्सरी सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों व पार्कों में दिनभर लोगों की खासी भीड़ जुटी

कई अंदरूनी सड़कों पर भी जाम के दिखे

लोगों की भारी भीड़ के चलते दक्षिणी दिल्ली में अलग-अलग जगहों पर भीषण जाम लगा गया । लोग आउटर रिंग रोड से लेकर मथरा रोड सहित सभी मुख्य मार्गों पर जाम से जूझते रहे। कई अंदरूनी सड़कों पर भी जाम के हालात बन गए। नव वर्ष के पहले दिन साइबर सिटी के मंदिर

गुरुद्वारा गौशाला व अन्य धार्मिक स्थान पर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़। आज नव वर्ष के पहले दिन श्री शीतला माता मंदिर के दरबार में श्रद्धालुओं उमरा जन सैलाब इसके चलते शीतला माता मंदिर से अतुल कटारिया चौक सेक्टर 12 राजीव नगर प्रेम नगर बस अड्डा रोड पर लगा लंबा जाम लोगों को मंदिर पहुंचने के लिए भारी मशक्कत करनी पड रही है।

शहर के प्रमुख मंदिरों में सुबह से ही लंबी कतारें देखने को मिली। कई भक्त तो रात से ही दर्शन के लिए पहुंचने लगे थे। कालकाजी स्थित कालकाजी मंदिर के दोनों प्रवेश द्वार पर भक्तों की लंबी लाइनें दिखी। सुबह 3:30 बजे ही मंदिर के द्वार खोल दिए गए थे। रात दो बजे भक्तों के आने का सिलसिला शरू हो गया था।

मंदिरों में रही भारी भीड़

उधर, छतरपुर स्थित श्री आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर में भी भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। मंदिरों के बाहर सुबह चार बजे से ही भीड़ जुटने लगने लगी थी, सुबह छह बजे द्वार दर्शन के लिए खोले गए।

नववर्ष के प्रथम दिन झंडेवाला देवी मंदिर में मां के दर्शनों हेतु लंबी कतार व श्रद्धालुओं की भीड़

हौजखास स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर और ईस्ट आफ कैलाश स्थित इस्कान मंदिर में भी दर्शन के लिए दिनभर श्रद्धालुओं की भीड रही। पुलिस कर्मियों और वालंटियर्स ने सभी जगहों पर सरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग दिया।

उधर, लोटस टेंपल, हुमायुं का मकबरा कुतुब मीनार, लोधी गार्डन, सुंदर नर्सरी सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों व पार्कों में सुबह से शाम तक लोगों की खासी भीड़ देखने को मिली। कहीं



यवा दोस्तों के साथ मौज-मस्ती करते दिखे. तो वहीं परिवार संग आए लोगों ने पिकनिक कर इस दिन को यादगार बनाया।

इन जगहों पर रेंगते दिखे वाहन लोगों की उमड़ी भीड़ के चलते भेलपुरी, पाव भाजी, चाय व स्नैक्स, आइसक्रीम की रेहड़ी-पटरी वाले और बच्चों के खिलौने बेचने वाले

विक्रेता भी खासी बिक्री होने से खुब खुश नजर

नया साल मनाने विभिन्न जगहों पर उमडी भारी भीड़ के चलते दक्षिणी दिल्ली के मुख्य मार्गों पर दिनभर भीषण जाम के हालात बने रहे। आउटर रिंग रोड, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे आईपी पार्क के पास, मथुरा रोड सहित तकरीबन सभी जगहों भर वाहन दिनभर रेंगते रहे। इसके चलते मिनटों का सफर भी घंटों में तय हुआ।

कालकाजी मंदिर और लोटस टेंपल के पास लोगों की भारी भीड़ थी. ऐसे में सरक्षा के लिहाज से मुख्य मार्ग पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर वाहनों की आवाजाही रोकी हुई थी, लेकिन कई दुपहिया और कार चालक इस सडक पर पहंचकर जाम का कारण बनते दिखे।

उधर आउटर रिंग रोड पर वाहनों के दबाव के चलते दिनभर जाम के हालात रहे। सडक से

गजरने वालों को खासी दिक्कतों का सामना करना पडा। हमायं का मकबरा की तरफ जाने वाले मथरा रोड पर भी लंबा जाम देखा गया।

दोपहर के समय इस मार्ग पर वाहनों की कई किलोमीटर तक लाइन लगी रही। सुंदर नर्सरी और लोधी रोड़ की तरफ जाने वाली सड़कों पर लोगों की भारी आवाजाही के चलते निजामद्दीन तक भीषण जाम लगा रहा।

50 से ज्यादा फॉर्च्यूनर कार चोरी, गिरोह की सच्चाई जान उड़े पुलिस अफसरों के होश; दो बदमाश गिरफ्तार

दिल्ली पलिस की काइम बांच ने फॉर्च्यनर कार चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड किया है। गिरोह के दो शातिर सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से दो चोरी की फॉर्च्यूनर कारें दो डुप्लीकेट चाबियां और एक चाबी प्रोग्रामिंग टूल बरामद किया गया है। गिरोह अब तक 50 से अधिक फॉर्च्यूनर कारों की चोरी में शामिल रहा है।

नई दिल्ली ।दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने फॉर्च्यूनर कार चुराने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान मुजफ्फरनगर निवासी आकिल और मेरठ निवासी साजिद के रूप में हुई है।

चोरी की गई दो फॉर्च्यूनर कारें बरामद पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से चोरी की गई दो फॉर्च्युनर कारें बरामद की गई हैं। साथ ही दो डुप्लीकेट चाबियां और एक चाबी प्रोग्रामिंग टुल बरामद किया गया है। गिरोह अब तक 50 से अधिक फार्च्यूनर कारों की चोरी में शामिल रहा है, जो गाड़ियां चोरी कर उनके इंजन नंबर और चेसिस नंबर में छेड़छाड़ कर चोरी की फॉर्च्यूनर कारों को अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में बेच देते थे।

20 दिसंबरको मुखबिरों से सूचना मिली

क्राइम ब्रांच के उपायुक्त संजय कुमार सैन के मुताबिक, क्राइम ब्रांच की टीम को फॉर्च्यूनर कारों की चोरी में शामिल गिरोह के बारे में सूचना मिली थी। 20 दिसंबर को मुखबिरों से सूचना मिली कि वाहन चोर एक काले रंग की फार्च्यूनर में वाहन चोरी करने के लिए दिल्ली आ रहे हैं।

गठित की गई थी एक टीम

इंस्पेक्टर मनमीत मलिक की देखरेख और एसीपी रमेश चंद्र लांबा के मार्गदर्शन में एक टीम गठित की गई। टीम ने मयुर विहार के चिल्ला मोड़ के पास एक काले रंग की फॉर्च्यनर को रोका और वाहन चालक पकड़ लिया।



क्राइम ब्रांच के उपायुक्त संजय कुमार सैन के मुताबिक, क्राइम ब्रांच की टीम को फॉर्च्यूनर कारों की चोरी में शामिल गिरोह के बारे में सूचना मिली थी। 20 दिसंबर को मुखबिरों से सूचना मिली कि वाहन चोर एक काले रंग की फार्च्यूनर में वाहन चोरी करने के लिए दिल्ली आ रहे हैं।

बरामद कार शाहदरा जिला से की गई थी चोरी

पूछताछ करने पर उसकी पहचान आकिल के रूप में हुई और उसके पास से एक चोरी की फॉर्च्यूनर कार, डुप्लीकेट चाबी और एक चाबी प्रोग्रामिंग टूल बरामद किया गया। बरामद कार शाहदरा जिला से चोरी की गई थी।

आरोपियों ने पूछताछ में उगला पूरा सच पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने साले साजिद और गैंग लीडर युपी के सुल्तानपुरी निवासी मास्टर उर्फ मशरूर के साथ मिलकर सिंडिकेट चला रहा है और वे अरुणाचल प्रदेश

और मणिपुर के क्षेत्रों में इंजन नंबर और चेसिस नंबर में छेड़छाड़ कर चोरी के वाहनों को बेच देते

गिरोह के अन्य सदस्यों का पता लगाने में

जुटी पुलिस 21 दिसंबर को मामले में सह-आरोपित साजिद को भी गिरफ्तार किया गया और उनकी निशानदेही पर यूपी के सिकंदराबाद से डुप्लिकेट चाबी के साथ एक सफेद रंग की फॉर्च्यूनर कार बरामद की गई। वाहन चोरों और सिंडिकेट के अन्य सदस्यों का पता लगाने के लिए पुलिस

तीन दशक से कालकाजी सीट पर नहीं खिला 'कमल', सीएम आतिशी के सामने भाजपा इस पूर्व सांसद पर खेल सकती है दांव

दिल्ली की कालकाजी विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पिछले तीन दशकों से जीत का इंतजार कर रही है। इस सीट पर 1993 में हुए पहले चुनाव में जीत दर्ज करने वाली भाजपा लगातार पिछड रही है। इस बार भी आप ने यहां से आतिशी को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं भाजपा भी यहां से मजबत उम्मीदवार की तलाश कर रही है।

दिल्ली।भारतीय जनता पार्टी पिछले तीन दशक से कालकाजी विधानसभा सीट पर जीत की बाट जोह रही है। इस सीट पर 31 साल पहले 1993 में हुए पहले चुनाव में जीत दर्ज करने वाली भाजपा लगातार पिछड़ रही है।

यहां से आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री आतिशी को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। वह लगातार दूसरी बार कालकाजी से चनावी मैदान में हैं। यहां पर वापसी करने के लिए भाजपा भी मजबृत प्रत्याशी को अपना उम्मीदवार घोषित कर सकती है। इसके लिए कई नामों पर चर्चा चल रही

कालकाजी विधानसभा सीट पर 1993 में हुए चुनाव में भाजपा प्रत्याशी पूर्णिमा सेठी ने जीत दर्ज की थी। उन्होंने कांग्रेस के सुभाष चोपड़ा को 4012 वोट से हराया था। पूर्णिमा को 22468 और सुभाष को 18456 वोट मिले थे। इसके बाद से आज तक भाजपा ने इस सीट पर कभी वापसी नहीं की। कांग्रेस प्रत्याशी सुभाष चोपड़ा ने पूर्णिमा सेठी को 1998 और 2003 में लगातार दो चुनाव में हराया। तब से यहां भाजपा लगातार पिछड़ती आ रही है।

2015 से आपका कब्जा, अब मुख्यमंत्री मैदानमें

इस सीट पर आप ने पहली बार वर्ष 2015 के चुनाव में जीत दर्ज की। तब आप प्रत्याशी अवतार सिंह ने भाजपा के हरमीत सिंह कालका को हराया था। अवतार को 55104 और हरमीत को 35335 वोट मिले थे। वर्ष 2020 में आप ने वर्तमान दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को चुनावी मैदान में उतारा था। आतिशी ने भाजपा के धर्मबीर को 11393 वोट से हराया था। आतिशी को 55897 और धर्मबीर को 44504 वोट मिले थे। इस बार भी आप ने यहां से आतिशी को अपना उम्मीदवार



कांग्रेस ने तीन बार लगातार जमाया सीट

इस सीट पर अभी तक कांग्रेस ने सबसे ज्यादा तीन बार कब्जा जमाया है। कांग्रेस ने 1998 से 2008 तक लगातार जीत दर्ज की। इसके अलावा आप ने दो और भाजपा एक बार जीती। यहां से शिरोमणि अकाली दल ने भी 2013 में जीत दर्ज की थी। अकाली दल से हरमीत सिंह कालका जीते थे। यहां भाजपा पांच बार चुनाव में दूसरे नंबर पर

पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी पर दांव लगा सकती है भाजपा

इस सीट को जीतने के लिए भाजपा हर संभव कोशिश कर रही है। यहां से पार्टी दक्षिणी दिल्ली के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को चुनाव लड़ा सकती

है। तुगलकाबाद के अलावा कालकाजी सीट से भी उनका नाम भेजा गया है।

उनके अलावा भाजपा पार्षद राजपाल सिंह. मनप्रीत कौर और पार्षद योगिता सिंह का नाम भी भेजा गया है। अभी तक किसी भी नाम पर पार्टी की महर नहीं लगी है।

कालकाजी सीट से कब-कब कौन जीता

प्रत्याशी पार्टी 1993 पूर्णिमा सेठी भाजपा

कांग्रेस 1998

कांग्रेस 2003 सुभाष चोपड़ा

2008 सुभाष चोपड़ा कांग्रेस 2013 हरमीत सिंह कालका शिरोमणि

अकाली दल 2015 अवतार सिंहआप

2020 आतिशी

गाजियाबाद नगर निगम

Ghaziabad Nagar Nigam

(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था

पेयजलापूर्ति प्रोजेक्ट पर UPSIDA-नगर निगम आमने-सामने, , उत्तरदायित्व से बचने को एक-दूसरे के सिर फोड़ रह टीकरा

गाजियाबाद के प्रकाश इंडस्ट्रियल एस्टेट (पाइप मार्केट) में पेयजलापूर्ति प्रोजेक्ट सहित अन्य विकास कार्यों को लेकर नगर निगम और यूपीसीडा आमने-सामने हैं। दोनों एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं कि कौन इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए जिम्मेदार है। इस बीच क्षेत्र के एक लाख से अधिक निवासी शुद्ध पेयजल के लिए तरस रहे हैं। जानिए इस पूरे मामले की विस्तृत जानकारी।

साहिबाबाद। नगर निगम व यूपीसीडा प्रकाश इंडस्ट्रियल एस्टेट (पाइप मार्केट) में पेयजलापूर्ति प्रोजेक्ट सहित अन्य विकास कार्य निर्माण के उत्तरदायित्व की पूर्ति को लेकर आमने-सामने आ गए हैं। दोनों इसका एक-दूसरे के सिर ठीकरा फोड़

यूपीसीडा का दावा है कि प्रकाश इंडस्ट्रियल एस्टेट में पेयजलापूर्ति प्रोजेक्ट सहित अन्य विकास संबंधी निर्माण कार्य नगर निगम को करना है। इसके विपरीत नगर निगम का कहना है कि जब सरकारी आदेश से प्रकाश इंडस्ट्रियल एस्टेट (पाइप मार्केट) के समस्त दायित्वों की जिम्मेदारी नवंबर 2024 में ही युपीसीडा को हैंडओवर कर दी गई है तो अब वहां के विकास कार्यों को पूरा करने की उसकी जिम्मेदारी कैसे व क्यों?

कर वसुली का अधिकार नगर निगम गाजियाबाद के पास

यूपीसीडा का तर्क है कि 31 मार्च 2025 तक



प्रकाश इंडस्टियल एस्टेट (पाइप मार्केट) से कर वसुली का अधिकार नगर निगम गाजियाबाद के पास है, वह ही कर-वसूली कर रहा है। इसलिए तब तक पेयजलापूर्ति प्रोजेक्ट सहित अन्य सभी निर्माण कार्य उसकी ही जिम्मेदारी है, तब तक यूपीसीडा का इससे कोई लेना-देना नहीं

www.newsparivahan.com

उसका दायित्व तो अप्रैल 2025 से बनता है।

दोनों सरकारी संस्थानों अपने-अपने उत्तरदायित्व से बचने को चल रही इस पैंतरेबाजी में क्षेत्र की एक लाख से अधिक निवासी अब भी शुद्ध पेयजलापूर्ति

प्रकाश इंडस्ट्रियल एस्टेट (पाइप मार्केट) पेयजलापूर्ति प्रोजेक्ट सहित अन्य विकास कार्यों के निर्माण को लेकर अगर नगर निगम का दावे को सही मानें तो उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) अपने दायित्वों की पूर्ति को लेकर गलतबयानी का आरोप लग रहे हैं।

प्रोजेक्ट के हाल-फिलहाल पुरा होने की कोई उम्मीद भी नहीं

इसी तरह यूपीसीडा के तर्कों की सही माना जाए तो नगर निगम गाजियाबाद अपने दायित्वों की पर्ति करने में कोताही बरत रहा। दोनों सरकारी विभागों की इस हठधर्मिता में नुकसान सरकार और जनता का हो रहा है। प्रोजेक्ट के पूरा होने में जितनी देर हो रही है, प्रोजेक्ट की लागत उतनी ही बढ़ती जा रही है।

क्षेत्रीय जनता शद्ध पेयजलापर्ति को तरह रही है। वर्ष 2018-19 में आरंभ हुए 72 करोड़ 40 लाख के पेयजलापूर्ति प्रोजेक्ट को वर्ष 2021 में पूरा हो जाना था, लेकिन विभिन्न कारणों से इसमें विलंब होता चला गया, नतीजतन जो काम तीन वर्ष में पूरा हो

वह छह वर्ष में भी पूरा न हो सका। वर्तमान में जिस गति से इस पर काम चल रहा है और निगम गाजियाबाद व यपीसीडा के बीच इसके उत्तरदायित्व से बचने को आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है, उसे देखते हुए प्रोजेक्ट के हाल फिलहाल पूरा होने की उम्मीद भी नजर नहीं आ रही।

यपीसीडा के आरएम प्रदीप कमार सत्यार्थी का कहना है कि इस मामले में नया अपडेट यह है कि नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बैठक में प्रकाश इंडस्ट्रियल एस्टेट (पाइप मार्केट) पेयजलापूर्ति प्रोजेक्ट सहित अन्य विकास कार्यों को पूरा करने का वादा किया है, 31 मार्च 2025 तक वह इन सभी कार्यों को पुरा करा देंगे।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने इससे इनकार करते हुए यूपीसीडा के आरएम प्रदीप कमार सत्यार्थी के इस कथन कि ''नगर आयुक्त गाजियाबाद ने बैठक में प्रकाश इंडस्ट्रियल एस्टेट (पाइप मार्केट) पेयजलापृर्ति प्रोजेक्ट सहित अन्य विकास कार्यों को पूरा करने का वादा किया है, को सिरे से नकार दिया है। कहा कि उन्होंने किसी भी बैठक में ऐसा कोई वादा नहीं

नगर आयक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने स्पष्ट किया कि उन्होंने इस संदर्भ में हुई बैठक में आएम यूपीसीडा के अनुरोध पर सहयोग करने का वादा किया था कि कार्य पुरा करने का। कहा कि जब प्रकाश इंडस्ट्रियल एस्टेट की समस्त जिम्मेदारियों के साथ यपीसीडा को नवंबर 2024 को ही हैंडओवर किया जा चका है तो नगर निगम क्यों और कैसे जिम्मेदार। कहाकि जनहित में हमने कार्यों के पूरा करने में सहयोग का वादा किया है, हम अपने वादे पर कायम हैं।

यह होने हैं काम

नगर निगम गाजियाबाद को इस प्रोजेक्ट के तहत तीन रेनीवेल (पेयजलापर्ति को नदी बेसन में बनाया जाने वाला कुआं), चार टंकी, तीन यूजीआर (अंडर ग्राउंड रिर्जव वायर) और क्षेत्र में पेयजल पाइप लाइन बिछाने का काम करना था। प्रोजेक्ट पूरा करने को तीन वर्ष का समय निर्धारित था, छह वर्ष में भी काम अधुरा है।

अब तक नहीं हो सके यह काम

नहीं हुए पेयजलापूर्ति पाइप लाइन के कनेक्शन, पाइप लाइन की टेस्टिंग का काम नहीं हुआ आरंभ, पानी की टंकी निर्माणाधीन, रेनीवेल और यूजीआर का काम अंतिम चरण में है। 200 मीटर की पाइप लाइन बिछाने का काम।

ट्रक की चपेट में आने से साइकिल सवार बच्चे की मौत, बैक करने के दौरान हुआ हादसा; ड्राइवर फरार

नोएडा के सेक्टर 8 में नए साल के पहले दिन एक दर्दनाक हादसा हो गया जिसमें एक 12 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। टक बैक होते समय साइकिल सवार बच्चा उसकी चपेट में आ गया। गंभीर रूप से घायल बच्चे को दिल्ली एम्स ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने टुक को कब्जे में ले लिया है।

नोएडा।फेज वन थाना क्षेत्र के सेक्टर आठ में बुधवार सुबह ट्रक बैक करते समय साइकिल सवार बच्चा आ गया। दिल्ली एम्स में उपचार के दौरान बच्चे की मौत हो गयी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया और टक को कब्जे में लिया है। स्वजन ने ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज

साइकिल से पार्ककी ओर जारहा था बच्चा

पुलिस के मुताबिक, मतक 12 वर्षीय बच्चा जीतू उर्फ कैलाश शनि मंदिर के पास जेजे कॉलोनी में रहता था। बधवार सबह वह साइकिल चलाकर पार्क की ओर जा रहा था। स्क्रैप लदा ट्रक बैक हो रहा था। जीतू उर्फ कैलाश को टक की चपेट में आ गया। टक के पहिए के नीचे आने के कारण वह

गंभीर रूप से घायल हो गया। दिल्ली एम्स में तोडा दम

लोगों ने उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से गंभीर हालत में जीत को दिल्ली एम्स में भेज दिया गया। जहां जीतू को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।पलिस फरार चालक की पहचान और तलाश में जुटी है। पुलिस ने स्वजन की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई कर रही

नोएडा में फ्लाईओवर से 30 फीट नीचे गिरे यवक की मौत. दोस्त के साथ बाइक से जा रहा था

ट्रैफिक रूल ना मानने वालों के खिलाफ नोएडा पुलिस ने की अनोखी पहल, यातायात नियमों का उल्लंघन पडेगा भारी

डाइवर और पैदल चलने वाले लोग बरतें ये सावधानियां

सतर्क रहें: ध्यान भटकाने वाली चीजों से बचें. रोड पर चलते वक्त ध्यान केंद्रित रखें और एक साथ कई काम न करें।

नियमों का पालन करें: गति सीमा का पालन करें, सिग्नल न तोड़ें और सड़कों पर लेन पर चलने को लेकर सावधान रहें।

धैर्य बनाए रखें: पैदल चलने वालों को रास्ता दें, क्रॉसिंग के

पास धीमी गति से चलें और अन्य वाहनों को पार करते समय सावधान रहें।

सीटबेल्ट पहनें: हमेशा सीटबेल्ट पहनें और सुनिश्चित करें कि बच्चे सही से कार और बुस्टर सीट पर बैठे हों।

शराब पीने से बचें: शराब पीकर गाड़ी न चलाएं, भले ही थोडी मात्रा में ही क्यों न हो।

तैयार रहें: आपातकालीन स्थिति में बचने का रास्ता रखें और अपनी कार के मैनुअल को जानें। स्कूल बस की टक्कर से

महिला घायल उधर, रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के गांव चांदपुर में एक स्कूल बस ने महिला को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल को इलाज के लिए ग्रेटर नोएडा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़िता के बेटे की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक के चांदपुर गांव में सुबह करीब 7.30 बजे माया देवी डेरी से दूध लेने जा रही थी। इसी दौरान एक निजी स्कल की बस में उन्हें टक्कर मार दी। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

शरू कर दी है।

ग्रेटर नोएडा में यमुना प्राधिकरण ने 451 आवेदकों को बांटे भूखंड, अब इतने दिन में करना होगा भुगतान

यमुना प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा में आवासीय योजना के 451 आवेदकों को आवंटन पत्र जारी किए हैं। आवंटियों को 60 दिन में भूखंड की कुल कीमत का 90% भुगतान करना होगा। असफल आवेदकों को पंजीकरण राशि वापस कर दी गई है। प्राधिकरण ने सेक्टर 24 ए के आंतरिक विकास और भूखंड विकसित करने के लिए एजेंसी चयन प्रक्रिया शुरू कर दी है।

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण ने आवासीय योजना के 451 आवेदकों को आवंटन पत्र जारी कर दिए हैं। आवंटियों को साठ दिन में भूखंड की कुल कीमत की 90 प्रतिशत राशि का भुगतान करना

आवेदन के साथ कराई गई दस प्रतिशत पंजीकरण राशि समाहित कर ली जाएगी। एक लाख से अधिक असफल आवेदकों को पंजीकरण राशि वापस कर दी गई है।

एक नवंबर को निकाली गई 451 भखंड की योजना एक नवंबर को निकाली गई 451

भूखंड की योजना के लिए प्राधिकरण ने एक लाख 11 हजार 703 आवेदकों के बीच 27 दिसंबर को ड्रॉ कराया था।

प्राधिकरण ने दावा किया था कि आवंटन के 48 घंटे में असफल आवेदकों को पंजीकरण राशि वापस कर दी जाएगी. लेकिन बैंक में साप्ताहिक अवकाश के



कारण समय सीमा बढ़ानी पड़ी। असफल आवेदकों को पंजीकरण राशि कर दी गई वापस

31 दिसंबर को सभी असफल आवेदकों को पंजीकरण राशि वापस कर दी गई। अधिकतर के खाते में बुधवार तक यह राशि पहुंच गई। प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि असफल आवेदकों को पंजीकरण राशि वापस कर दी गई है।

आवेदन पत्र में आवेदकों ने जिस खाते

की जानकारी दी थी. उसी में पंजीकरण राशि वापस की गई है। बैंकों से पंजीकरण राशि वापस होने का प्रमाण पत्र भी प्राधिकरण को मिल चका है।

सफल आवेदकों को मंगलवार को आवंटन पत्र भी जारी कर दिए गए हैं। उन्हें आवंटन पत्र जारी होने की तिथि से साठ दिन के अंदर शेष राशि जमा करानी होगी। अन्यथा ब्रोशर की शर्तों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

भुखंड विकसित करने के लिए

एजेंसी चयन की प्रक्रिया शरू

सेक्टर 24 ए में आवंटित किए गए 451 भखंडों पर आवंटियों को समय पर कब्जा दिया जा सके। प्राधिकरण ने सेक्टर के आंतरिक विकास एवं भूखंड विकसित करने को एजेंसी चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कंपनियों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। चयनित एजेंसी सेक्टर में सड़क, सीवर, पेयजल पाइप लाइन, बिजली लाइन आदि के कार्य

आओ, नव वर्ष पर विकसित भारत बनाने का संकल्प लें।

हमने कई मौकों पर अपने सपने को टूटते हुए देखा है लेकिन फिर भी हम हर मुसीबत की रिथिति से मजबूत और आत्मविश्वास से भरे हए हैं। स्वराज के महत्व को समझना चाहिए और इन सपनों को आगे बढ़ाने के लिए आक्रामक रूप से शुरुआत करनी चाहिए ताकि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को भी बेहतर भविष्य प्रदान कर सकें। धर्म के नाम पर कही गई बातों पर आंख मूंदकर विश्वास न करने, विवेक का पालन करने के लिए जागरूकता फैलानी चाहिए। हम इस सपने तक पहुँचने से बहुत दूर हैं लेकिन हमें हार नहीं माननी चाहिए। में डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के बेहतरीन उद्धरणों पर समाप्त करना चाहता हूं ₹सपने वह नहीं हैं जो आप नींद में देखते हैं, बल्कि वह हैं जो आपको सोने नहीं देतेर ।

-डॉ सत्यवान सौरभ

"आधी रात को, जब दुनिया सोती है, भारत जीवन और स्वतंत्रता के लिए जागेगा₹। जवाहरलाल नेहरू का यह ₹ट्रिस्ट विद डेस्टिनी₹ भाषण उस सपने का प्रतीक था जिसे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने पूरा किया था। इसने हमें, भारत के लोगों द्वारा पालन किए जाने वाले अगले सपने का विजन भी दिया।

भारत के बारे में गांधी का दुष्टिकोण हमारे देश के आत्मनिर्भर विकास के लिए घरेलू औद्योगीकरण को बढ़ावा देना था। उनका विचार था कि ग्रामीण भारत भारत के विकास की रीढ़ है। यदि भारत को विकास करना है, तो ग्रामीण क्षेत्र का भी समान विकास होना चाहिए। वह यह भी चाहते थे कि भारत गरीबी, बेरोजगारी, जाति, रंग पंथ, धर्म के आधार पर भेदभाव जैसी सभी सामाजिक बुराइयों से मुक्त हो, और सबसे महत्वपूर्ण रूप से निचली जातियों (दलितों) के खिलाफ अस्पृश्यता

को समाप्त करे जिन्हें वह 'हरिजन' कहते हैं। ये दर्शन भारत के तत्कालीन समाज के

सामाजिक स्तर को दर्शाते हैं। स्वतंत्रता के 75 वर्षों के बाद भी हम अभी भी इन सामाजिक मुद्दों को भारत में कायम पाते हैं। हमारे संविधान की प्रस्तावना भारत को संप्रभु, समाजवादी धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और गणतंत्र देश के रूप में निर्दिष्ट करती है। आइए देखें कि इस परिभाषा को सच करने के लिए हमने भारत के नागरिक के रूप में अपने सपने को कैसे पूरा किया है। 100 वर्षों के स्वतंत्रता संग्राम के बाद हम इस सपने को साकार करने में सक्षम हुए हैं। शीत युद्ध के दौर में भी जब दो महाशक्तियां अमेरिका और सोवियत संघ एक-दसरे का मकाबला करने के लिए गठबंधन बना रहे थे, हमने अपनी संप्रभुता को बनाए रखने के लिए किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं होने के लिए गुटनिरपेक्षता का विकल्प चुना। यद्यपि संयुक्त राष्ट्र द्वारा उपनिवेशवाद पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन नव-उपनिवेशीकरण के समान अंतरराष्ट्रीय दुनिया में अपनी जड़ें जमा रहा नव उपनिवेशीकरण को अन्य राज्यों द्वारा

राज्यों की नीतियों पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण के रूप में परिभाषित किया गया है। हाल ही में हमने भारत और अन्य अविकसित देशों जैसे अमेरिका द्वारा संयुक्त राष्ट्र में आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) बीजों को पेश करने और विकसित देशों से कृषि आयात के लिए बाजार को उदार बनाने के लिए दबाव देखा है। जीएम बीज कृषि का निजीकरण करते हैं और इस प्रकार मिट्टी की गुणवत्ता के साथ-साथ भारत के किसानों की सामाजिक स्थिति के लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा करते हैं। भारतीय मिट्टी के अनुकूल बीजों के विकास में अनुसंधान पर अमेरिका द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत को लगातार निशाना बनाया गया है।

भारत की संप्रभुता के लिए खतरे का अन्य उदाहरण वैश्विक आतंकवाद के माध्यम से है। भारत 26/11 और पठानकोट में उग्रवादियों द्वारा किए गए हमले का गवाह रहा है। बोडोलैंड की

मांग के लिए असम अलगाववादी आंदोलन से भारत नक्सलियों और पूर्वोत्तर में उग्रवादियों से उग्रवादी गतिविधियों का भी सामना करता है। इन गतिविधियों से निर्दोष जीवन की हानि होती है और सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचता है जिससे देश के विकास में बाधा उत्पन्न होती है। इस सपने को जिंदा रखने के लिए हमें इन गतिविधियों के खिलाफ एकता दिखानी होगी। इंटरनेट पर एकाधिकार करने के लिए फेसबुक के खिलाफ भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के फैसले का उदाहरण भारत के लोगों द्वारा मजबूत सर्वसम्मत अस्वीकृति के कारण था।

हमारे पहले प्रधान मंत्री देश की योजना और विकास में सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका के विचार के थे। उद्योगों का उदारीकरण 1991 के बाद ही हुआ, लाइसेंस राज खत्म हुआ। हाल ही में हमने भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के माध्यम से धन का प्रवाह देखा। अगर हम करीब से देखें तो हमने भारत के अधिकतम क्षेत्रों में 100% एफडीआई नहीं खोला है। बाजार का निजीकरण िनस्संदेह गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के साथ समाज में सर्वश्रेष्ठ प्रतिस्पर्धा प्रदान करता है। लेकिन अगर हम इसे अपनाते हैं, तो बाजार में केवल उन्हीं उत्पादों की आपूर्ति होगी जिनकी मांग है और जिससे वे अन्य आवश्यक आपर्तियों की उपेक्षा करते हुए लाभ कमा सकते हैं।

साथ ही समाजवादी समाज का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के लिए समान परिणाम प्राप्त करना, नौकरियों में समान अवसर प्रदान करना, न्यूनतम मजदुरी प्रदान करना और भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि जैसी बुनियादी आवश्यकताओं को प्रदान करना है। वर्तमान में भारत गरीबी, अस्वस्थता, बेरोजगारी, भेदभाव के कारण दुर्व्यवहार, खराब शिक्षा आदि के कारण जागरूकता की कमी आदि से पीड़ित वंचितों की सबसे बड़ी संख्या वाला देश है। इन सामाजिक मुद्दों पर अंकुश लगाने के लिए सक्रिय रूप से संगठनों का गठन करते हुए हमें भारत के नागरिक के रूप में सरकार द्वारा बनाई गई



नीतियों को ईमानदारी से लागू करने में सक्रिय होना चाहिए।

भारत अनेकता में अपनी एकता पाता है। आजादी के बाद हुए साम्प्रदायिक दंगों के बाद भारत को यह बात समझ में आ गई कि किसी भी धर्म का पक्ष लेने से भारत को लंबे समय तक नुकसान उठाना पड़ता है। लेकिन आज भी हम समाज में धार्मिक घृणा पाते हैं। इतने सालों में हमने 1984 के सिख दंगों, 2002 के गोधरा कांड, 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों, बाबरी मस्जिद के विध्वंस और कई अन्य के रूप में सांप्रदायिक दंगे देखे हैं। धार्मिक राजनीति ने भारतीय राजनीति में अपनी जड़ें जमा ली हैं। बीफ खाने पर हालिया प्रतिबंध और 'घर वापसी', 'लव जेहाद' आदि जैसे आंदोलन धर्मनिरपेक्षता के मूल मूल्यों के खिलाफ

धर्म के नाम पर कही गई बातों पर आंख मृंदकर विश्वास न करने, विवेक का पालन करने के लिए जागरूकता फैलानी चाहिए। हम इस सपने तक पहुँचने से बहुत दूर हैं लेकिन हमें हार नहीं माननी चाहिए। समाज को इन धार्मिक संस्थाओं द्वारा लगाए गए अतार्किक कटौती का विरोध करना

स संबंध में हम देख सकते हैं कि लोकतंत्र ने भारतीय समाज में अपनी जड़ें जमा ली हैं । संघों का सक्रिय गठन, चुनाव प्रक्रियाओं में भागीदारी में वृद्धि, विवादित परिदृश्यों का शांतिपूर्ण समाधान देश के दूर-दराज के हिस्सों में भी सक्रिय रूप से

असहिष्णुता को लेकर हाल के परिदृश्य ने एक बार फिर हमारे लोकतांत्रिक विश्वास की अटकलों को हवा दे दी है। हम लगातार ऐसी स्थिति देखते रहे हैं जहां हम पाते हैं कि लेखक के विचारों के लेखन के खिलाफ धर्म द्वारा फतवा जारी किया जाता है। फेसबक पर पोस्ट के कारण लोगों को जेल में डाला जा रहा है। साथ ही हम अपने देश में

जाति आधारित राजनीति, धर्म आधारित राजनीति देखते हैं। राष्ट्रीय दल लोकतंत्र का कुरूप चेहरा दिखाते हुए लगातार गंदी राजनीति कर रहे हैं।

लोकतंत्र वह शक्ति है जो लंबे ऐतिहासिक संघर्ष के बाद मिली है। हमें समाज की अज्ञानता को स्वतंत्रता के रूप में हमें मिले सर्वोत्तम उपहार को छीनने नहीं देना चाहिए। गणतंत्र भारत के नागरिक के रूप में हम अपने संविधान में सर्वोच्चता मानते हैं। 1976 के आपातकाल के समय हमारे संविधान को चुनौती का सामना करना पड़ा। प्राधिकरण द्वारा उनके व्यक्तिगत भविष्य के हित के लिए इसमें बड़े पैमाने पर संशोधन किया गया है। लेकिन जल्द ही सरकार ने देश के नागरिकों के कड़े विरोध को देखा और संविधान में निहित शक्ति को महसूस किया।

इतने सालों के बाद हमने 105 बार संविधान में संशोधन किया है। प्राधिकारियों में निहित कई शक्तियों की फिर से जाँच की गई है और शासन के कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं, उदाहरण के लिए पंचायती राज आदि। न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका और स्वतंत्र निकायों में निहित संतुलित शक्ति ने नागरिकों को प्रभावी ढंग से शासन में योगदान करने में मदद की है। संविधान द्वारा प्रदत्त न्याय की इस भावना को कभी नहीं भूलना चाहिए। इस मशीनरी के प्रभावी ढंग से प्रसंस्करण में विश्वास रखना चाहिए।

हमने कई मौकों पर अपने सपने को टुटते हुए देखा है लेकिन फिर भी हम हर मुसीबत की स्थिति से मजबूत और आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। स्वराज के महत्व को समझना चाहिए और इन सपनों को आगे बढ़ाने के लिए आक्रामक रूप से शुरुआत करनी चाहिए ताकि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को भी बेहतर भविष्य प्रदान कर सकें। मैं डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के बेहतरीन उद्धरणों पर समाप्त करना चाहता हूं ₹सपने वह नहीं हैं जो आप नींद में देखते हैं, बल्कि वह हैं जो आपको

डॉo सत्यवान सौरभ,

फेरारी की सवारी पड़ गई महंगी! तीन करोड़ रुपये की स्पोर्ट्स कार को बैलगाड़ी से खींचा गया, वीडियो वायरल

परिवहन विशेष न्यूज

रेतीले समुद्र तट पर कार चलाना जोखिम भरा हो सकता है, यहां तक कि सबसे पावरफुल लक्जरी स्पोटर्स कारों के लिए भी। महाराष्ट्र में नए साल की पूर्व संध्या पर एक Ferrari (फेरारी) कार के मालिक ने बहुत चुनौती भरे हालात में यह सबक सीखा। साथ ही उसे थोड़ी बदनामी भी झेलनी पडी।

रेतीले समुद्र तट पर कार चलाना जोखिम भरा हो सकता है, यहां तक कि सबसे पावरफुल लक्जरी स्पोटर्स कारों के लिए भी। महाराष्ट्र में नए साल की पूर्व संध्या पर एक Ferrari

(फेरारी) कार के मालिक ने बहुत चनौती भरे हालात में यह सबक सीखा। साथ ही उसे थोड़ी बदनामी भी झेलनी पड़ी। मुंबई के पास अलीबाग में एक समुद्र तट पर फंसी हुई Ferrari California T (फेरारी कैलिफोर्निया टी) का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया, क्योंकि इसे एक बैलगाड़ी खींच रही थी। यह घटना रायगढ़ जिले के रेवदंडा समुद्र तट पर हुई।

कबहुईयहघटना फेरारी कैलिफोर्निया टी को रेस्क्य करने का वायरल वीडियो दिखाता है कि भारत में लगभग 3 करोड़ रुपये की कीमत वाली इतालवी

लग्जरी स्पोर्ट्स कार समुद्र तट पर फंसी हुई है।

दो सीटों वाली स्पोटर्स कार को मालिक नए साल की मौज-मस्ती के लिए ले गया था, तभी यह घटना घटी। कार को नरम रेत से भरे समद तट पर ले जाया गया, जिससे फेरारी के पहिए

वीडियोहुआवायरल लग्जरी कार के मालिक को बहुत शर्मिंदगी उठानी पड़ी, स्थानीय लोगों ने फेरारी को मुश्किल स्थिति से बाहर निकालने की कोशिश की। उनकी कोशिशें 1,600 किलोग्राम से ज्यादा वजन वाली लग्जरी कार को बाहर निकालने में नाकाम रहीं। इसके बाद कार मालिक ने और शर्मिंदगी से बचने के लिए बैलगाडी की मदद ली। वीडियो में दो बैलों द्वारा खींची जा रही गाडी को रस्सी से फेरारी से बांधा गया है। आखिरकार, इसने फेरारी को रेतीले समुद्र तट से बाहर निकलने में मदद की।

–Rajan Mehrotra IN (@MissdOportunity) December 31, 2024 Ferrari California T: कैसी है

यह लग्जरी स्पोर्ट्स कार वायरल वीडियो में दिख रही फेरारी कैलिफोर्निया टी एक टू-सीटर लग्जरी स्पोर्ट्स कार है। जिसकी कीमत भारत में 2.20 करोड़ रुपये से 3.29 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम)

के बीच है। इस प्रतिष्ठित ड्रॉप-ट्रॉप लग्जरी

कार ने 1950 के दशक में अपनी शुरुआत की

इंजनपावर और स्पीड फेरारी कैलिफोर्निया टी में 3.9-लीटर बाय-टर्बो V8 पेटोल इंजन लगा है। यह इंजन 552 बीएचपी का पावर और 755 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। यह इंजन 7-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसिमशन से जुड़ा है और इसमें ऑल-व्हील ड्राइव टेक्नोलॉजी भी है। फेरारी कैलिफोर्निया टी की टॉप स्पीड 315 किमी प्रति घंटा है। और यह सिर्फ 3.2 सेकंड में 0-100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड सकती है।

थी और यह अपनी स्पोर्टी डाइव खबियों के

बनाई गई पहली रेसिंग स्पोर्ट्स कार थी।



आ गया इलेक्ट्रिक व्हीकल खरीदने का सही समय! कार पर ३ लाख तो स्कूटर पर १० हजार तक का बंपर डिस्काउंट

परिवहन विशेष न्यूज

इलेक्ट्रिक कार-स्कूटर खरीदने का प्लान बना रहे हैं? तो इस महीने आप बंपर बचत कर सकते हैं। कंपनियां अपनी पुरानी इन्वेंट्री को निकालने के लिए भारी डिस्काउंट दे रहीं हैं जिसका फायदा उठा कर आप लाखों रुपये बचा सकते हैं।

इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की कीमत में पिछले कुछ महीनों से लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। 2024 फेस्टिव सीजन में कमजोर डिमांड के बाद, कंपनियों ने सेल्स को बढ़ाने के लिए डिस्काउंट देने की रणनीति अपनाई है। इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत में यह कमी कई कारणों से संभव हुई है। बैटरी और अन्य उपकरणों की लागत में गिरावट आने के साथ-साथ कंपनियों के पास बढ़ते इन्वेंट्री स्टॉक ने भी कीमतों को कम करने में अहम भिमका निभाई है। इसके अलावा, कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी (CAFE) नियमों के चलते कंपनियां वाहनों की कीमत घटाने को मजबूर

अगर आप इलेक्ट्रिक कार या टू-व्हीलर खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो यह सही समय है। कुछ लोकप्रिय इलेक्ट्रिक वाहन अब भारी छूट के साथ उपलब्ध हैं। इलेक्ट्रिक कारों



पर जहां 3 लाख रुपये तक की छट मिल रही है. वहीं इलेक्ट्रिक ट्र-व्हीलर्स की कीमतों में भी अच्छी गिरावट दर्ज की गई है।

इलेक्ट्रिक कारों की बात करें तो कुछ

लोकप्रिय इलेक्ट्रिक कार मॉडल्स अब बडी छट के साथ उपलब्ध हैं। इलेक्ट्रिक कारों के कई मॉडल्स पर 3 लाख रुपये तक की छूट मिल रही

इलेक्ट्रिकटू-व्हीलरपरभी ऑफर्स

दूसरी ओर, इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स पर भी शानदार ऑफर्स मिल रहे हैं। कंपनियां कीमत को कम कर ग्राहकों को लुभाने में लगी हैं। इलेक्ट्रिक स्कूटर्स के अलग-अलग मॉडलों पर 3000 रुपये से लेकर 25,000 रुपये तक की

छट मिल रही है।

ई-कॉमर्सप्लेटफॉर्म्सपरभी आकर्षक

Punch.ev

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने भी इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए ग्राहकों को आकर्षित करने का

काम किया है। फ्लिपकार्ट जैसे ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म पर कई इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स को 2,500 रुपये से 5,000 रुपये तक की छूट के साथ बेचा जा रहा है, जिससे ग्राहक और भी किफायती दामों पर गाडियां खरीद सकते हैं।

ईवी कार बाजार में मचेगा धमाल, 2025 में लॉन्च होंगी ये इलेक्ट्रिक कारें

इलेक्ट्रिक वाहनों ने 2024 में काफी लोकप्रियता हासिल की है। इस ट्रेंड को जारी रखते हुए, वर्ष 2025 ईवी के मामले में और भी ज्यादा रोमांचक होने का वादा करता है। यहां हम आपको 2025 में सबसे ज्यादा प्रतीक्षित इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च के बारे में बता रहे हैं।

र्वलेक्ट्रिक वाहनों ने 2024 में काफी लोकप्रियता हासिल की है। इस ट्रेंड को जारी रखते हए. वर्ष 2025 ईवी के मामले में और भी ज्यादा रोमांचक होने का वादा करता है। दिलचस्प बात यह है कि इस साल के दौरान कई बड़े वाहन निर्माता मारुति सुजुकी ई विटारा जैसी कार के साथ पैसेंजर इलेक्ट्रिक कार बाजार में उतरने की योजना बना रही हैं। इस बीच, इस क्षेत्र में मौजूदा खिलाड़ी, जैसे कि टाटा मोटर्स, नए उत्पादों की शुरुआत के साथ अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करने की योजना बना

जनवरी से शुरू होकर, कुछ हफ्तों के भीतर कम से कम पांच इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च होने की पष्टि हुई है। अगले 12 महीनों में भारतीय ऑटो बाजार में इलेक्ट्रिक कारों की बड़ी बाढ़ आने की उम्मीद है। यहां हम आपको 2025 में सबसे ज्यादा प्रतीक्षित इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च के बारे में बता रहे हैं।

Hyundai Creta EV

आगामी Hyundai Creta EV (ह्यंदै क्रेटा ईवी) इस साल की शुरुआत में पेश की गई मिड-साइज एसयूवी के फेसलिफ्ट से ली गई होगी। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वाहन में इंटरनल कंब्शन इंजन (ICE) मॉडल से डिजाइन फीचर्स शामिल होंगी। साथ ही इलेक्टिक वाहनों के लिए खास स्टाइलिंग एलिमेंट्स भी शामिल होंगे। मौजुदा ICE मॉडल के नए इलेक्ट्रिक वर्जन के लिए डिजाइन मॉडिफिकेशन को लागू करने की ट्रेंड के बाद, क्रेटा ईवी के लिए भी इसी तरह के अपडेट की उम्मीद की जा सकती है।

हालांकि वाहन की स्पाय तस्वीरों से संकेत मिलता है कि हेडलैम्प और डे-टाइम रनिंग लाइट (DRL) डिजाइन को बरकरार रखा



रेडिएटर ग्रिल के स्थान पर बंद पैनल से लैस करने की संभावना है। इसके अलावा, क्रेटा ईवी में एयरोडयनैमिक्स को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किए गए नए अलॉय व्हील्स मिलने की उम्मीद है। इस इलेक्ट्रिक वेरिएंट का निर्माण K2 प्लेटफॉर्म के अपडेटेड वर्जन पर किया जाएगा। जो मौजूदा ह्यंदै क्रेटा के लिए भी आधार का काम करता है। अभी तक, क्रेटा ईवी की रेंज के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। हालांकि, उम्मीद है कि क्रेटा ईवी की सिंगल चार्ज पर ड्राइविंग रेंज लगभग 500 किमी होगी।

Maruti Suzuki e Vitara

Maruti Suzuki e Vitara (मारुति सुजुकी ई विटारा) इलेक्ट्रिक एसयूवी के साथ पहली बार भारत में पैसेंजर इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में प्रवेश करेगी। ईवी को कॉम्पैक्ट ईवी सेगमेंट में टाटा कर्व ईवी या महिंद्रा बीई 6ई के बराबर पोजिशन किया जाएगा। यह ग्रैंड विटारा एसयूवी के साइज के बराबर है। मारुति इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को 49 kWh और 61 kWh बैटरी के साथ पेश करेगी। इसके फ्रंट-व्हील ड्राइव और ऑल-व्हील ड्राइव दोनों वेरिएंट में आने की उम्मीद है। मारुति का दावा है कि ई विटारा की रेंज एक बार चार्ज करने पर लगभग 500 किलोमीटर होगी।

Tata Sierra EV

नेमप्लेट वापस लाएगी। जबकि इसके पेटोल और डीजल वर्जन भी जल्द ही आएंगे। कंपनी ने कर्व ईवी और इसके पेट्रोल और डीजल वर्जन के लॉन्च के लिए एक ही फॉर्मेट का इस्तेमाल किया। सिएरा ईवी उसी एक्टी. ईवी आर्किटेक्चर का इस्तेमाल करेगी, जो कि टाटा का जेन2 ईवी प्लेटफॉर्म है, जिसका इस्तेमाल पंच ईवी, कर्व ईवी और हैरियर ईवी द्वारा किया जाता है। हालांकि बैटरी और मोटर स्पेसिफिकेशंस की पुष्टि होना बाकी है। सिएरा ईवी को एक ऑप्शन के रूप में AWD सेटअप भी मिल सकता है, जिसमें प्रत्येक एक्सल पर एक मोटर होगी। स्टाइलिंग कॉन्सेप्ट वर्जन के करीब होगी और इसमें एक बड़ा रियर ग्लास एरिया होगा जो 1990 के दशक के मूल सिएरा के साथ नजर आएगा। टाटा इलेक्ट्रिक सिएरा को 2025 या

2026 में लॉन्च कर सकती है। Tata Harrier EV

टाटा मोटर्स Tata Harrier EV (टाटा हैरियर ईवी) लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इसमें 60 से 80 kWh तक की बैटरी पैक होने की संभावना है। जो एक बार फुल चार्ज होने पर 500 किलोमीटर की अधिकतम रेंज प्रदान करती है। और इसमें रियर-व्हील-डाइव (RWD) सिस्टम की सुविधा है। क्योंकि इसे हाल ही में रियर इलेक्ट्रिक मोटर के साथ देखा

टाटा नई ईवी के साथ Sierra (सिएरा) गया था। जबिक मौजूदा ICE हैरियर सिर्फ फ्रंट-व्हील-ड्राइव (FWD) सिस्टम के साथ आता है। वहीं, इलेक्ट्रिक वर्जन स्टैंडर्ड तौर पर FWD के साथ आने की उम्मीद है, जबकि इसके 4WD वेरिएंट के लिए RWD उपलब्ध है। हैरियर ईवी का अनावरण भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में किया जाएगा। और इसे 2025 के आखिर में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है।

MG Cyberster

MG Cyberster (एमजी साइबरस्टर) भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 के दौरान भारत में अपनी शुरुआत करेगा। स्लीक सिल्हट और सिजर डोर (कैंची जैसे खलने वाले दरवाजे) साइबरस्टर के डिजाइन आकर्षण हैं। हम पहले से ही जानते हैं कि यह 77 kWh बैटरी पैक के साथ आएगा। जिसमें एक बार चार्ज करने पर 570 किमी तक की डाइविंग रेंज होगी। एमजी साइबरस्टर की टॉप स्पीड 200 किमी प्रति घंटे से ज्यादा अधिक होने की उम्मीद है। कार निर्माता ने पहले कहा था कि ईवी सिर्फ 3.2 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। एमजी साइबरस्टर से भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में एक मजबूत प्रभाव डालने की उम्मीद है। और इसे नए एमजी सेलेक्ट रिटेल चैनल के जरिए ही बेचा जाएगा।

ईवी कार बाजार में मचेगा धमाल, 2025 में लॉन्च होंगी ये इलेक्ट्रिक



पारवरुन ।वराष न्यूज

इलेक्ट्रिक वाहनों ने 2024 में काफी लोकप्रियता हासिल की है। इस टेंड को जारी रखते हुए, वर्ष 2025 ईवी के मामले में और भी ज्यादा रोमांचक होने का वादा करता है। यहां हम आपको २०२५ में सबसे ज्यादा प्रतीक्षित इलेक्टिक वाहन लॉन्च के बारे में बता रहे हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों ने 2024 में काफी लोकप्रियता हासिल की है। इस ट्रेंड को जारी रखते हुए, वर्ष 2025 ईवी के मामले में और भी ज्यादा रोमांचक होने का वादा करता है। दिलचस्प बात यह है। कि इस साल के दौरान, कई बड़े वाहन निर्माता मारुति सुजुकी ई विटारा जैसी कार के साथ पैसेंजर इलेक्ट्रिक कार बाजार में उतरने की योजना बना रही हैं। इस बीच, इस क्षेत्र में मौजूदा खिलाड़ी, जैसे कि टाटा मोटर्स, नए उत्पादों की शुरुआत के साथ

अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। जनवरी से शुरू होकर, कुछ

हफ्तों के भीतर कम से कम पांच इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च होने की पुष्टि हुई है। अगले 12 महीनों में भारतीय ऑटो बाजार में इलेक्ट्रिक कारों की बड़ी बाढ आने की उम्मीद है। यहां हम आपको 2025 में सबसे ज्यादा प्रतीक्षित इलेक्टिक वाहन लॉन्च के बारे में बता रहे हैं।

आगामी Hyundai Creta EV (ह्युंदै क्रेटा ईवी) इस साल की शुरुआत में पेश की गई मिड-साइज एसयूवी के फेसलिफ्ट से ली गई होगी। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वाहन में इंटरनल कंब्शन इंजन (ICE) मॉडल से डिजाइन फीचर्स शामिल होंगी। साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए खास स्टाइलिंग एलिमेंट्स भी शामिल होंगे। मौजूदा ICE मॉडल के नए इलेक्ट्रिक वर्जन के लिए डिजाइन मॉडिफिकेशन को लाग् करने की टेंड के बाद, क्रेटा ईवी के लिए भी इसी तरह के अपडेट की उम्मीद की जा सकती है।

हालांकि वाहन की स्पाय तस्वीरों से संकेत मिलता है कि हेडलैम्प और डे-टाइम रनिंग लाइट (DRL) डिजाइन को बरकरार रखा जाएगा। लेकिन ह्यंदै द्वारा वाहन को पारंपरिक रेडिएटर ग्रिल के स्थान पर बंद पैनल से लैस करने की संभावना है। इसके अलावा, क्रेटा ईवी में एयरोडयनैमिक्स को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किए गए नए अलॉय व्हील्स मिलने की उम्मीद है। इस इलेक्ट्रिक वेरिएंट का निर्माण K2 प्लेटफॉर्म के अपडेटेड वर्जन पर किया जाएगा। जो मौजूदा ह्यूंदै क्रेटा के लिए भी आधार का काम करता है। अभी तक, क्रेटा ईवी की रेंज के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। हालांकि, उम्मीद है कि क्रेटा ईवी की सिंगल चार्ज पर ड्राइविंग रेंज लगभग 500 किमी होगी।

सर्दियों में कार के अंदर हीटर चलाते समय ऑन न करें ये बटन, वर्ना गैस चैंबर बन जाएगी गाड़ी

परिवहन विशेष न्युज

नई दिल्ली। इन दिनों देश के कई हिस्सों में भीषण ठंड पड़ रही है, जिससे बचने के लिए लोग अलग-अलग उपाय अपना रहे हैं। घर के अंदर गर्म कपडे और हीटर का सहारा लिया जाता है, वहीं यात्रा के दौरान गाड़ी में हीटर का उपयोग किया जाता है। हालांकि, कार में हीटर का इस्तेमाल करते समय की गई एक छोटी सी गलती आपकी गाड़ी को गैस चेंबर बना सकती है और आपकी सेहत पर बुरा प्रभाव डाल

कार में लोग टेम्प्रेचर मेंटेन करने के लिए अक्सर हीटर के साथ एयर रीसक्युंलेशन मोड को ऑन कर देते हैं, जिसका लंबे समय तक इस्तेमाल बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि सर्दियों में कार में हीटर का सही उपयोग कैसे करें और इससे जुड़ी महत्वपूर्ण सावधानियां क्या हैं।

एयर रीसर्क्युलेशन मोड क्या है ?

आपकी कार के एयर कंडीशनर पैनल में कई बटन दिए जाते हैं, जिनमें से एक बटन एयर रीसर्क्युलेशन का होता है। यह बटन केबिन के अंदर की हवा को बार-बार रीसायकल करता है, यानी यह बाहर से ताजी हवा लेने के बजाय अंदर की हवा को ही वापस प्रसारित करता है। आमतौर पर इसका उपयोग किया जाता है, जब आप कार में एसी चलाते हैं और बाहर की गर्म या प्रदूषित हवा को अंदर आने से रोकना चाहते हैं। इसके जरिए कार का क्लाइमेट कंट्रोल सिस्टम अधिक कुशलता से काम करता है, क्योंकि बाहर की गर्म हवा को

ठंडा करने की जरूरत नहीं होती। हीटर के साथ एयर रीसर्क्युलेशन

गर्मियों में यह बटन बेहद उपयोगी है. लेकिन सर्दियों में इसका गलत उपयोग

परेशानी का कारण बन सकता है। सर्दियों में कुछ लोग हीटर का उपयोग करते समय एयर रीसर्क्युलेशन बटन चालू रखते हैं, ताकि बाहर की ठंडी हवा अंदर न आ सके। इससे केबिन जल्दी गर्म हो जाता है, लेकिन लंबे समय तक इस मोड का इस्तेमाल करना खतरनाक हो सकता है। जब यह मोड चालू होता है, तो बाहर से ताजी हवा केबिन के अंदर नहीं आती और अंदर की हवा ही लगातार घूमती रहती है। इससे अंदर की हवा में कार्बन मोनोऑक्साइड का लेवल बढ़ने लगता है।

कार में अगर ज्यादा लोग बैठें हों तब कार में इस मोड का इस्तेमाल करना और भी खतरनाक साबित हो सकता है। इसके अलावा हीटर और रीसर्क्युलेशन मोड का ज्यादा समय तक चालु रहने पर कार के शीशों में फॉग जमने लगा है जिसके वजह से देखने में काफी परेशानी होने लगती है। चलती गाड़ी में ऐसा

होना आपकी जान को जोखिम में डाल सकता है। यह ड्राइविंग के दौरान हादसों का कारण बन सकता है ।

सर्दियों में हीटर का सही उपयोग कैसे

- एयर रीसर्क्युलेशन बटन को सीमित समय तक ही इस्तेमाल करें। इसे लंबे समय तक चालू रखने से बचें।

- कार के अंदर ताजी हवा आने के लिए नियमित अंतराल पर इसे बंद करें।

- खिड़िकयों को हल्का-सा खोलकर केबिन में ऑक्सीजन का स्तर बनाए रखें।

- अगर खिड़कियों पर धुंध जम रही है, तो डीफॉगर का उपयोग करें और वेंटिलेशन सिस्टम को चालू रखें।

- ड्राइविंग के दौरान सतर्क रहें और किसी भी तरह की असहजता महसूस होने पर तुरंत



2025 में डिजिटल गोपनीयता का भविष्य



विजय गर्ग

जैसे-जैसे दुनिया तेजी से आपस में जुड़ती जा रही है, डिजिटल गोपनीयता का भविष्य एक महत्वपूर्ण चौराहे पर खड़ा है। संचार, वाणिज्य और व्यक्तिगत गतिविधियों के लिए प्रौद्योगिकी पर बढ़ती निर्भरता ने व्यक्तियों के दुनिया के साथ बातचीत करने के तरीके को काफी हद तक बदल दिया है, लेकिन यह व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा से संबंधित अभूतपूर्व चुनौतियां भी लेकर आया है। आने वाले वर्षों में, तकनीकी प्रगति, कानूनी ढांचे और सामाजिक मूल्यों के कारण डिजिटल गोपनीयता एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनी रहेगी। केंद्रीय प्रश्न यह होगा कि सुरक्षा की मांग के साथ गोपनीयता की आवश्यकता को कैसे संतुलित किया जाए। नवाचार, और शासन। डिजिटल गोपनीयता संबंधी चिंताएँ नई नहीं हैं, लेकिन इंटरनेट के तेजी से विकास और डिजिटल सेवाओं के विस्तार के साथ वे और अधिक गंभीर हो गई हैं। साइबर हमले, डेटा उल्लंघन और निगरानी प्रथाएं पहले से कहीं अधिक प्रचलित हैं। लक्षित विज्ञापन के लिए निगमों द्वारा व्यक्तिगत डेटा एकत्र किया जाता है, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म हमारे आंदोलनों और प्राथमिकताओं को ट्रैक करते हैं, और सरकारों के पास अपने नागरिकों पर बड़े पैमाने पर निगरानी करने की क्षमता होती है। यह एक विरोधाभास पैदा करता है जहां हमें बदले में गोपनीयता छोड़ने की आवश्यकता बढ़ रही है। सुविधा के लिए, चाहे वह वैयक्तिकृत सेवाओं, स्मार्ट उपकरणों या ऑनलाइन बैंकिंग के रूप में हो। डिजिटल गोपनीयता के लिए सबसे महत्वपूर्ण खतरों में से एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उदय है। ये प्रौद्योगिकियां व्यवहार की भविष्यवाणी करने, गतिविधियों को ट्रैक करने और यहां तक कि निर्णयों में हेरफेर करने के लिए बड़ी मात्रा में व्यक्तिगत डेटा का विश्लेषण कर सकती हैं। हालांकि ये क्षमताएं स्वास्थ्य सेवा से लेकर वित्त तक विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ा सकती हैं, लेकिन दुरुपयोग होने पर ये गंभीर जोखिम भी पेश करती हैं। ऐसा भविष्य जहां एएल

www.newsparivahan.com

का उपयोग लाभ, निगरानी या नियंत्रण के लिए संवेदनशील डेटा का शोषण करने के लिए किया जाता है, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और स्वायत्तता का महत्वपूर्ण क्षरण हो सकता है। एक ओर, प्रौद्योगिकी कुछ गोपनीयता संबंधी चिंताओं को दूर करने में मदद कर रही है। उदाहरण के लिए, व्हाटसएप और सिग्नल जैसे मैसेजिंग ऐप में एंड-टू-एंड एनक्रप्शन यह सुनिश्चित करता है कि केवल प्रेषक और प्राप्तकर्ता ही संदेश पढ़ सकते हैं, जिससे उपयोगकर्ता संचार को चुभती नजरों से बचाया जा सकता है। ब्लॉकचेन तकनीक, अपनी विकेंद्रीकृत संरचना के साथ, व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा, पारदर्शिता प्रदान करने और डेटा हेरफेर के जोखिम को कम करने के लिए एक आशाजनक समाधान के रूप में उभरी है। हालाँकि, जैसे-जैसे तकनीक



विकसित होती है, वैसे-वैसे दुर्भावनापूर्ण अभिनेताओं और राज्य अधिकारियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले उपकरण भी विकसित होते हैं। उदाहरण के लिए, क्वांटम कंप्यूटिंग का आगमन संभावित रूप से वर्तमान एनक्रप्शन विधियों को तोड़ सकता है, जिससे डेटा सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। भविष्य में, इन नवाचारों के साथ-साथ गोपनीयता सुरक्षा को विकसित करने की आवश्यकता होगी, जिसके लिए व्यक्तिगत डेटा को सुरक्षित करने के लिए अधिक मजबूत एनक्रप्शन तकनीकों और वैकल्पिक तरीकों के विकास की आवश्यकता होगी। इंटरनेट ऑफ थिंग्स महत्वपूर्ण गोपनीयता संबंधी चिंताएं भी पैदा करता है। थर्मोस्टैट, रेफ्रिजरेटर और फिटनेस ट्रैकर जैसे स्मार्ट उपकरण बड़ी मात्रा में व्यक्तिगत डेटा एकत्र करते हैं, अक्सर इस बात पर ध्यान नहीं दिया जाता है कि उस जानकारी को कैसे संरक्षित किया जाता है। जैसे-जैसे अधिक घरेलू उपकरण आपस में जुड़ते हैं, डेटा उल्लंघनों और अनिधकृत निगरानी की संभावना तेजी से बढ़ती है। चुनौती यह सुनिश्चित करने की होगी कि ये उपकरण डिजाइन द्वारा सुरक्षित हैं, अंतर्निहित गोपनीयता सुरक्षा उपायों के साथ जो उपयोगकर्ताओं को दुरुपयोग से बचाते हैं। डिजिटल गोपनीयता का भविष्य केवल तकनीकी प्रगति से निर्धारित नहीं होगा; यह इस बात पर भी निर्भर करेगा कि सरकारें और संस्थाएं इसे कैसे विनियमित करने का निर्णय लेती हैंव्यक्तिगत डेटा का संग्रह और उपयोग। यरोपीय संघ का सामान्य डेटा संरक्षण विनियमन, जो 2018 में लागू हुआ, डिजिटल गोपनीयता की रक्षा के लिए विश्व

स्तर पर उठाए गए सबसे महत्वपर्ण कदमों में से एक है। इसमें कंपनियों को अपने डेटा एकत्र करने से पहले उपयोगकर्ताओं से स्पष्ट सहमति प्राप्त करने की आवश्यकता होती है और व्यक्तियों को उनकी व्यक्तिगत जानकारी को हटाने का अनुरोध करने का अधिकार दिया जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत सहित अन्य देश भी डेटा गोपनीयता कानूनों पर विचार कर रहे हैं या पहले ही पेश कर चुके हैं, लेकिन डिजिटल गोपनीयता के लिए वैश्विक ढांचे की कमी एक प्रमुख बाधा बनी हुई है। इंटरनेट एक सीमाहीन इकाई है, और डेटा देशों और महाद्वीपों में स्वतंत्र रूप से चलता है, जिससे राष्ट्रीय नियमों को लागू करना मुश्किल हो जाता है। इसलिए, वैश्विक स्तर पर लागू किए जा सकने वाले व्यापक गोपनीयता मानकों को विकसित करने में

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग महत्वपूर्ण होगा। भविष्य में, यह संभावना है कि अधिक सरकारें ऐसे नियम बनाएंगी जिनके लिए कंपनियों को व्यक्तिगत डेटा एकत्र करने. संग्रहीत करने और उपयोग करने के तरीके के बारे में अधिक पारदर्शी होने की आवश्यकता होगी। वे गैर-अनुपालन के लिए सख्त दंड भी लगा सकते हैं और व्यक्तियों के लिए अपने स्वयं के डेटा पर अधिक नियंत्रण रखने के लिए तंत्र बना सकते हैं। हालाँकि, यह चनौतियों के बिना नहीं आएगा। आतंकवाद विरोधी प्रयासों या कानून प्रवर्तन जांच जैसी राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के साथ गोपनीयता अधिकारों को संतलित करना एक जटिल मुद्दा होगा।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार

स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

दैनिक जीवन में मामूली बदलाव २०२५ में आपके स्वास्थ्य को बढ़ावा देंगे

2025 में आप अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए अपने दैनिक जीवन में कुछ छोटे लेकिन प्रभावशाली बदलाव कर सकते हैं: शारीरिकमौत

1. माइक्रोब्रेक लेंः परिसंचरण में सुधार और गतिहीन समय को कम करने के लिए हर घंटे 5 मिनट तक खड़े रहें, खिंचाव करें या चलें।

2. सुबह हाइड्रेशनः मेटाबॉलिज्म को किकस्टार्ट करने और सोने के बाद रिहाइड्रेट करने के लिए अपने दिन की शुरुआत एक गिलास पानी से करें।

3. फाइबर जोड़ें: पाचन और हृदय स्वास्थ्य में सुधार के लिए भोजन में साबुत अनाज, फल

और सब्जियां शामिल करें।

4. टेक-फ्री वॉकः रोजाना 15 मिनट बाहर टहलने में बिताएं, अपने फोन को माइंडफुलनेस और व्यायाम के लिए पीछे छोड़ दें।

5. स्क्रीन समय सीमाः नींद की गुणवत्ता में सुधार के लिए शाम को स्क्रीन का समय कम

मानसिक कल्याण

1. सचेतन श्वासः तनाव और चिंता को कम करने के लिए गहरी, धीमी सांसों पर ध्यान केंद्रित करते हुए 3-5 मिनट बिताएं।

2. कृतज्ञता अभ्यासः सकारात्मकता बढ़ाने के लिए प्रत्येक दिन तीन चीजें लिखें जिनके लिए आप आभारी हैं।

3. डिजिटल डिटॉक्सः मानसिक स्पष्टता के लिए गैर-आवश्यक तकनीकी उपयोग को सीमित करने के लिए सप्ताह में एक दिन

4. कुछ नया सीखें: अपने दिमाग को तेज रखने के लिए किसी कौशल या शौक को सीखने के लिए प्रतिदिन 15 मिनट समर्पित करें।

सामाजिक और भावनात्मक स्वास्थ्य 1. चेक-इन चैटः दोस्तों या परिवार के

सदस्यों के साथ नियमित रूप से जुड़ें, भले ही यह सिर्फ एक त्वरित संदेश या कॉल हो।

2. दयालुता के कार्यः मनोदशा को बेहतर बनाने और संबंधों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिदिन दयालुता का एक छोटा कार्य करें।

3. सीमाएँ निर्धारित करें: उन कार्यों या प्रतिबद्धताओं को ना कहना सीखें जो आप पर भारी पड़ती हैं।

पर्यावरण

1. नियमित रूप से अव्यवस्था दूर करें: तनाव कम करने के लिए अपने स्थान को व्यवस्थित करने में हर दिन 10 मिनट बिताएं।

2. हरित स्थानः हवा की गुणवत्ता और मनोदशा में सुधार के लिए अपने घर या कार्यस्थल में पौधों को शामिल करें।

3. पर्यावरण-अनुकूल स्वैपः स्वास्थ्य और पर्यावरण लक्ष्यों को संरेखित करने के लिए पुनः प्रयोज्य वस्तुओं (जैसे पानी की बोतलें) का उपयोग करें।

छोटी आदत में बदलाव

1. कॉल के दौरान खड़े रहें: फोन कॉल को खडे होने और चलने के अवसर के रूप में

2. भोजन तैयारी लाइटः प्रसंस्कृत विकल्पों से बचने के लिए प्रतिदिन एक स्वस्थ नाश्ते की

3. नींद की रस्मः नींद में सुधार के लिए सोने के समय पढ़ने या हल्की स्ट्रेचिंग जैसी सरल दिनचर्या अपनाएं।

इन प्रबंधनीय समायोजनों को करने से जीवनशैली में बड़े बदलावों की आवश्यकता के बिना समग्र स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हो सकते हैं।

क्या आपका बच्चा जवाब देता है? इसे कैसे संभालें

जवाब देने वाले बच्चे से निपटना माता-पिता के लिए एक चनौतीपर्ण अनभव हो सकता है। हालांकि यह व्यवहार निराशाजनक हो सकता है, यह अक्सर बड़े होने का एक स्वाभाविक हिस्सा है, क्योंकि बच्चे सीमाओं का परीक्षण करते हैं और अपनी स्वतंत्रता पर जोर देते हैं।

प्रतिक्रिया देने से पहले, यह समझने की कोशिश करें कि आपका बच्चा वापस क्यों बात कर रहा है। यह हताशा, ध्यान देने की आवश्यकता या स्वतंत्रता पाने के प्रयास से उत्पन्न हो सकता है। कभी-कभी, बच्चे अपने आस-पास जो देखते या सुनते हैं उसकी नकल करते हैं। मूल कारण की पहचान करने से समस्या का प्रभावी ढंग से समाधान करने में मदद

यहां बताया गया है कि जवाब देने वाले बच्चे को कैसे संभालना है:

अपना धैर्यन खोएं, शांत रहें

जब आपका बच्चा जवाब में बात करता है, तो चिढ़ना या अपमानित महसूस करना आसान होता है। हालाँकि, क्रोध के साथ प्रतिक्रिया करने से अक्सर स्थिति बिगड जाती है। इसके बजाय, गहरी सांस लें और शांत आचरण बनाए रखें। आपकी संयत प्रतिक्रिया आपके बच्चे को आत्म-नियंत्रण का मुल्य सिखाती है। व्यवहार परिवर्तन में समय लगता है। धैर्य रखें और बैकटॉक को संबोधित करने में लगातार लगे रहें, और याद रखें कि गलतियाँ सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा हैं। छोटे सुधारों का जश्न मनाएं और अपने बच्चे को बेहतर संचार आदतों की ओर मार्गदर्शन करना जारी रखें।

अभी विज्ञापन मुक्त हो जाइए

अपने बच्चे को बताएं कि हालांकि अपनी भावनाओं या राय को व्यक्त करना ठीक है, लेकिन इसे सम्मानपूर्वक किया जाना चाहिए। उन्हें सम्मानजनक संवाद के महत्व को समझने में मदद करने के लिए इन सीमाओं को लगातार सुदृढ़करें।

सजापरनहीं. समाधानपरध्यान दें

बैकटॉक के सभी उदाहरणों में हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती है। कभी-कभी, बच्चों की टिप्पणियाँ जानबूझकर अवज्ञा के बजाय थकान या तनाव से आ सकती हैं। अपनी लड़ाइयों को बुद्धिमानी से चुनने से आपको अधिक महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है और अनावश्यक शक्ति संघर्ष को रोका जा सकता है।

कभी-कभी, बैकटॉक बच्चे का निराशा व्यक्त करने या मान्यता प्राप्त करने का तरीका होता है। ऐसी बातें कहकर उनकी भावनाओं को स्वीकार करें, ₹मैं समझता हूं कि आप परेशान हैं₹ या ₹मैं समझता हूं कि आप ऐसा क्यों महसूस करते हैं।₹ उनकी भावनाओं को मान्य करने से स्थिति को कम करने और ख़ुले संचार को प्रोत्साहित करने में मदद मिल सकती है।

आदर्श सम्मानजनक संचार

बच्चे अपने माता-पिता को देखकर सीखते हैं। सुनिश्चित करें कि आप असहमित के दौरान भी उनके और दसरों के साथ सम्मानपर्वक संवाद करें। आपका व्यवहार एक उदाहरण स्थापित करता है कि उन्हें संघर्षों को कैसे संभालना चाहिए और अपनी भावनाओं को व्यक्त करना

विजय गर्ग

तरक्की के दावे और अधूरे सपने

विजय गर्ग

विश्व में महामंदी का वातावरण है और हमारे देश का दावा है कि इस महामंदी के कुप्रभावसेहमनिकलगएहैं।बचकरनिकले हैं या नहीं, इसका विवेचन तो बाद में होता रहेगा, फिलहाल स्थिति यह है कि देश में खुशहाली के सूचकांक में औसत आदमी के लिए बदलाव नहीं आया। उसके रोजगार की स्थिति में कोई चामत्कारिक परिवर्तन नहीं हुआ।पूंजीगतनिवेशकी बहुत-सी बातें होती हैं. लेकिन आंकडे यही बताते हैं कि हमारी कृषि ही नहीं, बल्कि निर्माण और विनिर्माण व्यवस्था भी तरक्की के लिहाज से पिछड़ रही है।जोकमाईहोरहीहै,वहअधिकतरपर्यटन, सेवा और आतिथ्य क्षेत्र से हो रही है। जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए था। हमारी पूंजीगत व्यवस्था में कुछ इस प्रकार परिवर्तन होते कि नकेवलकृषिक्षेत्रमेंहमारादेशदुनियाभरकी आपूर्ति श्रृंखला में आगे रहता, बल्कि निर्माण और विनिर्माण क्षेत्र में भी ऐसी तरक्की के प्रतिमान नजर आते कि देश की वह आबादी.

जो काम तलाशने की उम्र में अनुकंपा की आस में बैठी रहती है, उसे यथायोग्य नौकरी

कृत्रिम मेधा, डिजिटल और रोबोटिक्स का जमाना आ गया है। दस वर्ष में हम दिनया की पांचवें स्थान की आर्थिक शक्ति हो गए हैं। आजादी का शतकीय महोत्सव मनाते हुए हम विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति हो जाने का सपना देख रहे हैं, लेकिन यह सपना तब तक पूरा नहीं हो सकता, जबतक कि व्यावसायिक और निवेश व्यवस्था में देश का चेहरा आयात आधारित अर्थव्यवस्था से निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था में नहीं बदल जाता। मगर यहां तो आलम यह है कि निर्माण क्षेत्र में भी हमें कच्चामाल, चीन जैसे देशों से मंगवाना पड़ता है। ऊर्जा क्षेत्र में 85 फीसद कच्चे तेल का आयातकिएबिना काम नहीं चलता।

नई खबर यह है कि भारत जहां निर्यात बढ़ाने और आयात घटाने के सपने देख रहा था, वहां ये सपने अधूरे रह गए। इस वर्ष की स्थितियह रही कि निर्यात में गिरावट से हमारा

व्यापार घाटा बढ़ गया है और वहीं हमारी जरूरतेंबढ जाने से हमारा आयात 27 फीसद तक बढ़ गया है। इस नवंबर में निर्यात 4.85 फीसद घटा। हम कल निर्यात 32.11 अरब डालर का कर पाए, जबकि पिछले साल इसी अवधिमें 33.75 अरब डालर का निर्यात हुआ था। दूसरी ओर आत्मनिर्भरता और 'वोकल फार लोकल' के नारों के बावजूद हमारा आयात बढ कर 69.95 अरब डालर हो गया है।देश'व्यापारघाटाभीबढ़गयाहै।यहघाटा बढ़कर 37.84 अरब डालर पर पहुंच गया है। जब यह घाटा बढ़ेगा, हमारी निर्यात क्षमता पर आयात जरूरतें हावी रहेंगी। हमारी मुद्रा का मुल्यतोघटेगाहीघटेगा।

चालू वित्तवर्ष में डालर के मुकाबले हमारे रुपए का विनिमय मुल्य निरंतर घटता चला गया है। इस समय यह मुल्य 85 रुपए प्रति डालर के पार है। इसे आप सार्वकालिक निचला स्तर कह सकते हैं। इसके साथ ही अपनी विनिमय दर को स्थिरता देने के लिए देश के स्वर्ण भंडारों का इस्तेमाल भी किया जाता है। कुछ भुगतान सोने में कर दिए जाते हैं, जिसके कारण हमारे स्वर्ण भंडार में भी भारी कमी हुई है, जबिक इनके यथेष्ट होने का भरोसा मिलता रहा है। चालू वित्तवर्ष में अप्रैल-नवंबर मेंनिर्यात और आयात का अंतर दिखता है। कुल निर्यात अगर 2.17 फीसद बढ़ा है, तो आयात बढ़ कर 8.35 फीसद तक पहुंचगया है।ऐसे देश में, जहां रुपए का मूल्य निरंतर डालर के सामनेगिरता जा रहा हो, वहां निवेशकों को अपने देश में निवेश करते रहने का आकर्षणबनाए रखना कठिन हो जाता है। पिछले कुछ महीनों में अमेरिका द्वारा फेडरल दरों में परिवर्तन की संभावना से विदेशी निवेशकों ने भारत से पलायन शुरू कर दिया। घरेलु निवेशकों ने भी थोड़ा तेवर बदला। अब वह भी नया निवेश उन विदेशी स्थानों में कर रहे हैं, जहां उन्हें लाभ की अधिक गुंजाइश

अब स्थिति यह है कि हमारे उत्पादन की लागत में वह परिवर्तन नहीं आ पाया, जो अमेरिका और चीन ने हासिल कर लिया।

अमेरिका हो या यूरोपीय संघ या फिर चीन, ये सभी अपने देश में उत्पादन की कशलता बढाने के लिए शोध और अनसंधान पर बहत खर्चकरते हैं। देश की तकनीक को प्रगति पथ पर अग्रसर रखते हैं। हमारे यहां जय जवान, जयकिसान के साथ जय अनुसंधान का नारा तोलगादियाजाताहै,लेकिनयहां अनुसंधान पर खर्च जीडीपी का मात्र 0.6 फीसद है। इसके मुकाबले चीन को ले लीजिए, जिसे व्यावसायिक प्रतियोगिता में हम छका देने के सपने देखते रहते हैं। उसकी जीडीपी हमसे छह गुना ज्यादा है। वह इसका तीन फीसद शोध और अनुसंधान में लगा देता है। वह तकनीकी ज्ञान को लगातार बढ़ा रहा है और हमारे यहां जय अनुसंधान की प्रतिबद्धता के बावजूद अनुसंधान पर 0.6 फीसद का खर्च

बार-बार देश में शिक्षा क्रांति की घोषणा केबावजूदहमशिक्षाविकासकेलिएयोजना या नीति आयोग द्वारा सुझाई गई छह फीसद निवेशदरतक पहुंच नहीं पाते और उससे कम

उत्पादनकी गतिकुछ इस तरह से बढ़ती है कि हमें अपनी तरक्की स्पृतनिक के मुकाबले बैलगाड़ी-सी लगने लगती है। जरूरत यह है कि देश में अनुसंधान और शोध को प्राथमिकता दी जाए। सभी चीजें बाहर से आयात नहीं की जा सकतीं और विशेष रूप से जबिक हम अपने देश को एक आयात आधारित व्यवस्था नहीं, बल्कि निर्यात आधारितव्यवस्था बना देना चाहते हैं, लेकिन हमारा माल तो तभी बाहर बिकेगा, जब तकनीकी रूप से यह दूसरे देशों से उत्तम नहीं, तो कम से कम उनके समान हो।

ही शिक्षा विकास पर खर्च करते हैं। उधर,

गिरती हुई विनिमय दर को कैसे रोका जाए? दरअसल, इसके लिए जरूरी है कि हमारा व्यापार घाटा कम हो और हमारा निर्यात बढ़े। हमारे निवेशकों ने हर तरह के निर्माण की तरफ हाथ बढ़ाया, पर हम निर्यात क्षेत्र में अपनी मौलिक छाप नहीं छोड़ पा रहे। अपनीविशेष संस्कृतिकी पुरातन वस्तुओं का स्मरण हम बहुत करते हैं और आजकल

उनकी तलाश भी खूब हो रही है, लेकिन अगर दुनिया भर को इन वस्तुओं के प्रति आकर्षित करके हम उनकी मांग पर अपना सर्वाधिकार कर लेते, तो निश्चय ही देश को निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बनते देर न लगती। लेकिन यहां आलम यह है कि बासमती चावल का सर्वाधिकार होते हुए भी हम उसके निर्यात को पूरी तरह प्रोत्साहित नहीं कर सके और पाकिस्तान ने बासमती जैसा चावल उपजा कर विदेशी मंडियों में कब्जा करना शुरू कर दिया। कृषि निर्यात को प्रोत्साहन देने की जरूरत है, लेकिन यह तभी होगा जब हम अपने देश को एक उद्यम से पैदा किए हुए अनाज से भर सकेंगे. न कि सस्ते और रियायती अनाज की अनुकंपा से, जिसके कारण कपोषण अधिक बढता है और बीमारियों से लड़ने की हमारी क्षमता भी कम होती है। एक बीमार होता देश भला स्वस्थ, खुशहाल और संपन्न देशों की निर्यात मंडियों में मुकाबला करेगा तो कैसे ?

कहानी (हमारी-तुम्हारी

विजय गर्ग

एक धन सम्पन्न व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ रहता था। पर कालचक्र के प्रभाव से धीरे धीरे वह

कंगाल हो गया।

उस की पत्नी ने कहा कि सम्पन्नता के दिनों में तो राजा के यहाँ आपका अच्छा

क्या विपन्नता में वे हमारी मदद नहीं करेंगे जैसे श्रीकृष्ण ने सुदामा की की थी? पत्नी के कहने से वह भी सुदामा की

तरह राजा के पास गया। द्वारपाल ने राजा को संदेश दिया कि एक निर्धन व्यक्ति आपसे मिलना चाहता

है और स्वयं को आपका मित्र बताता है।

राजा भी श्रीकृष्ण की तरह मित्र का नाम सुनते ही दौड़े चले आए और मित्र को इस हाल में

देखकर द्रवित होकर बोले कि मित्र बताओ, मैं तुम्हारी क्या सहायता कर सकता हूँ ?

मित्र ने सकुचाते हुए अपना हाल कह चलो, मै तुम्हें अपने रत्नों के खजाने में

ले चलता हूँ। वहां से जी भरकर अपनी जेब में रत्न भर कर ले जाना। पर तुम्हें केवल 3 घंटे का समय ही

मिलेगा। यदि उससे अधिक समय लोगे तो तुम्हें खाली हाथ बाहर आना पडेगा।

देखकर हैरान हो गया।

ठीक है, चलो वह व्यक्ति रत्नों का भंडार और उनसे निकलने वाले प्रकाश की चकाचौंध

पर समय सीमा को देखते हुए उसने भरपूर रत्न अपनी जेब में भर लिए । वह बाहर आने लगा तो उसने देखा कि

दरवाजे के पास रत्नों से बने छोटे छोटे खिलौने रखे

थे जो बटन दबाने पर तरह तरह के खेल दिखाते थे। उसने सोचा कि अभी तो समय बाकी

है, क्यों न थोड़ी देर इनसे खेल लिया जाए?

वह तो खिलौनों के साथ खेलने में इतना मग्न हो गया कि समय का भान ही

उसी समय घंटी बजी जो समय सीमा समाप्त होने का संकेत था और वह निराश

हाथ*ही बाहर आ गया। राजा ने कहा- मित्र, निराश होने की आवश्यकता नहीं है ।

चलो, मैं तुम्हें अपने स्वर्ण के खजाने में

वहां से जी भरकर सोना अपने थैले में भर कर ले जाना। पर समय सीमा का ध्यान रखना।

ठीक है।

उसने देखा कि वह कक्ष भी सुनहरे प्रकाश से जगमगा रहा था।

उसने शीघ्रता से अपने थैले में सोना भरना प्रारम्भ कर दिया। तभी उसकी नजर एक घोड़े पर पड़ी

जिसे सोने की काठी से सजाया गया था। अरे ! यह तो वही घोडा है जिस पर बैठ कर मैं राजा साहब के साथ घूमने जाया

वह उस घोड़े के निकट गया, उस पर हाथ फिराया और कुछ समय के लिए उस

करने की इच्छा से उस पर बैठ गया।

समय सीमा समाप्त हो गई और वह अभी तक सवारी का आनन्द ही ले रहा था। उसी समय घंटी बजी जो समय सीमा समाप्त होने का संकेत था और वह घोर निराश होकर

खाली हाथ ही बाहर आ गया। राजा ने कहा- मित्र, निराश होने की आवश्यकता नहीं है।

चलो, मैं तुम्हें अपने रजत के खजाने में ले चलता हूँ। वहां से जी भरकर चाँदी अपने ढोल में

पर समय सीमा का ध्यान अवश्य रखना।

उसने देखा कि वह कक्ष भी चाँदी की धवल आभा से शोभायमान था।

उसने अपने ढोल में चाँदी भरनी आरम्भ करदी।

इस बार उसने तय किया कि वह समय सीमा से पहले कक्ष से बाहर आ जाएगा। पर समय तो अभी बहुत बाकी था। दरवाजे के पास चाँदी से बना एक छल्ला टंगा हुआ था।

साथ ही एक नोटिस लिखा हुआ था कि इसे छूने पर उलझने का डर है। यदि उलझ भी जाओ तो दोनों हाथों से

सुलझाने की चेष्टा बिल्कुल न करना। उसने सोचा कि ऐसी उलझने वाली बात तो कोई दिखाई नहीं देती।

बहुत कीमती होगा तभी बचाव के लिए लिख दिया होगा।

देखते हैं कि क्या माजरा है ? बस !फिर क्या था। हाथ लगाते ही वह तो ऐसा उलझा कि पहले तो एक हाथ से सुलझाने की कोशिश

जब सफलता न मिली तो दोनों हाथों से सुलझाने लगा।

पर सुलझा न सका और उसी समय घंटी बजी जो समय सीमा समाप्त होने का संकेत था और

वह निराश होकर खाली हाथ ही बाहर

राजा ने कहा-मित्र, *कोई बात नहीं *। निराश होने की आवश्यकता नहीं है।

अभी तांबे का खजाना बाकी है। चलो, मैं तुम्हें अपने तांबे के खजाने में ले चलता हूँ ।

वहां से जी भरकर तांबा अपने बोरे में भर कर ले जाना। पर समय सीमा का ध्यान रखना।

मैं तो जेब में रत्न भरने आया था और बोरे में तांबा भरने की नौबत आ गई।

थोड़े तांबे से तो काम नहीं चलेगा। उसने कई बोरे तांबे के भर लिए। भरते भरते उसकी कमर दुखने लगी

लेकिन फिर भी वह काम में लगा रहा। विवश होकर उसने आसपास सहायता के लिए देखा।

एक पलंग बिछा हुआ दिखाई दिया। उस पर सुस्ताने के लिए थोड़ी देर लेटा तो नींद आ गई और अंत में वहाँ से भी खाली

हाथ बाहर निकाल दिया गया। क्या इसी प्रकार हम भी अपने जीवन में अपने साथ कुछ नहीं ले जा पाएंगे ?

बचपन खिलौनों के साथ खेलने में, जवानी विवाह के आकर्षण में और गृहस्थी की उलझन में बिता दी।

बुढ़ापे में जब कमर दुखने लगी तो पलंग के सिवा कुछ दिखा नहीं। समय सीमा समाप्त होने की घंटी बजने

वाली है। सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

7,2025 07

2025 में कैसे रहेगी भारत की इकोनॉमी, किन मोर्चों पर बढ़ने वाली है चुनौती?

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय आर्थिक 2025 का पूर्वानुमान ज्यादातर आर्थिक जानकारों का मानना है कि भारत की जीडीपी ग्रोथ आने वाले समय में शानदार रहा है क्योंकि हमारी आर्थिक बुनियाद काफी मजबूत है। यहां ग्रोथ की भी अपार संभावनाएं हैं। 2024–25 के लिए रियल जीडीपी ग्रोथ 6.6 फीसदी और 2025–26 की पहली तिमाही के लिए 6.9 फीसदी रहने का अनुमान है। आइए जानते हैं कि बाकी आर्थिक मोर्चों पर कैसा हाल रहने वाला है।

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के बाद से कुछ साल भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए काफी अच्छे रहे। इस दौरान भारत ने लगातार 6 से 8 फीसदी की जीडीपी ग्रोथ हासिल की। लेकिन, वित्त वर्ष 2024-25 की सितंबर तिमाही में भारत की विकास दर घटकर 5.4 फीसदी पर गई। यह सात तिमाहियों का सबसे निचला स्तर है। इस दौरान मुद्रास्फीति काफी तेजी से बढ़ी, जिसका सीधा खपत पर पड़ा। आइए जानते हैं कि 2025 भारत की इकोनॉमी के लिहाज से कैसा रह सकता है। क्या महंगाई बढ़ेगी, आरबीआई ब्याज दरों में कटौती करेगा या नहीं।

2024-25 की तीसरी तिमाही में सुधरेगी ड़कोनॉमी ?

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्माला सीतारमण ने सितंबर में जीडीपी ग्रोथ के घटकर 5.4 फीसदी पर आने को 'अस्थायी झटका' बताया था। उनका कहना था कि भारत की विकास दर आने वाली तिमाहियों में मजबूत बनी रहेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के अर्थशास्त्रियों का भी कहना है कि 2024-25 की तीसरी तिमाही के लिए संकेत मिल रहे हैं कि अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा है। इसकी वजह फेस्टिव सीजन में अच्छी बिक्री है। साथ ही, ग्रामीण



मांग में लगातार सुधार हो रहा है। फरवरी एमपीसी में ब्याज दरों में कटौती

www.newsparivahan.com

आर्थिक विकास की रफ्तार को तेज करने के लिए अब सभी की नजरें आरबीआई की फरवरी 2025 एमपीसी पर हैं। केंद्रीय बैंक का मौद्रिक नीति पैनल नए गवर्नर संजय मल्होत्रा की अगुआई में पहली बार मीटिंग करेगा। यह बैठक 2025-26 के केंद्रीय बजट के तुरंत बाद होगी, जिसमें मोदी सरकार के तीसरे चरण के आर्थिक और राजकोषीय रोडमैंप को पेश किया जाएगा। वैश्विक तनाव और अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के मद्देनजर इसकी अहमियत काफी ज्यादा रहने वाली है।

क्या भारत की आर्थिक ग्रोथ मजबूत बनी

ज्यादातर आर्थिक जानकारों का मानना है कि भारत की जीडीपी ग्रोथ आने वाले समय में शानदार रहा है, क्योंकि हमारी आर्थिक बुनियाद काफी मजबूत है। यहां ग्रोथ की भी अपार संभावनाएं हैं। 2024-25 के लिए, रियल जीडीपी ग्रोथ 6.6 फीसदी और 2025-26 की पहली तिमाही के लिए 6.9 फीसदी रहने का अनुमान है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के अनुसार, अगले वित्त वर्ष में जून तिमाही में ग्रोथ 7.3 फीसदी तक जा सकती है। एक्सपर्ट का मानना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा भी ट्रंप की नीतियों पर काफी ज्यादा निर्भर करेगी, जो 20 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति का पदभार संभालेंगे।

भारत का इकोनॉमी का भविष्य उज्ज्वल इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर का

इक्रा का मुख्य अयशास्त्रा आदात नायर का कहना है कि वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता के बीच, भू-राजनीतिक तनाव और टैरिफ से जुड़े जोखिम के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए आर्थिक दृष्टिकोण काफी उज्ज्वल दिखाई देता है। उन्होंने कहा, ₹आगामी वित्त वर्ष 2026 का केंद्रीय बजट भी इकोनॉमी की दिशा तय करेगा। इसमें सरकार की नीतियों की बेहतर झलक मिलेगी। हालांकि, रुपया पिछले महीने की तरह सुर्खियों में बना रह सकता है।'

EPFO पेंशनधारकों के लिए खुशखबरी! 1 जनवरी से किसी भी बैंक में ले सकेंगे पेंशन, 78 लाख लोगों को होगा फायदा

EPFO ने कर्मचारी पेंशन योजना से जुड़े पेंशनधारकों को बड़ी खुशखबरी दी है। अब पेंशनर किसी भी बैंक शाखा या स्थान से अपनी पेंशन ले सकेंगे। पहले अगर पेंशनभोगी अपनी लोकेशन या बैंक ब्रांच बदलता था तो उसे बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। उसे पेंशन पेमेंट ऑर्डर (PPO) को ट्रांसफर कराने के लिए काफी भागदौड़ करनी पड़ती थी। लेकिन अब इसकी जरूरत नहीं होगी।

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) से जुड़े पेंशनधारकों के लिए नया साल एक बड़ी राहत लेकर आया है। आज से वह देश में स्थित किसी भी बैंक, शाखा या स्थान से अपनी पेंशन प्राप्त कर सकेंगे। सेवानिवृत्त होने के बाद अपने गृहनगर में रहने वाले लोगों के लिए यह एक बड़ी सहुलियत होगी।

दरअसल, कुछ दिनों पहले कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के लिए केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) के प्रस्ताव को श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडिवया और ईपीएफ के केंद्रीय न्यासी बोर्ड के चेयरमैन द्वारा स्वीकृत किया गया था, जिसके बाद नए साल से यह सुविधा कर्मचारियों को मिलने लगेगी। सीपीपीएस के लागू होने से लगभग 78 लाख पेंशनधारकों को फायदा होगा।

पेंशन पाने में कैसे होगी आसानी?

ईपीएफओ के एक सहायक आयुक्त के मुताबिक, वर्तमान व्यवस्था के तहत प्रत्येक ईपीएफओ जोनल और क्षेत्रीय कार्यालय केवल तीन से चार बैंकों के साथ व्यक्तिगत स्तर पर एक व्यवस्था बनाते हैं। ऐसे में जब सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने गृहनगर चला जाता है तो बैंक शाखा (जिस बैंक के साथ ईपीएफओ ने करार किया है) की अनुपस्थित के चलते उसे पेंशन प्राप्त करने में परेशानी होती है। हालांकि सीपीपीएस के लागू होने के बाद पेंशन प्राप्त करने में आसानी होगी।

इसके अलावा, अब पेंशनधारकों को पेंशन शुरू होने के बाद सत्यापन के लिए किसी बैंक की शाखा में भी जाने की जरूरत नहीं होगी। पेंशन जारी होने के बाद तुरंत उस बैंक में जमा हो जाएगी, जिसका उल्लेख कर्मचारियों ने अपने



स्तावेजों में किया है।

इतना ही नहीं यदि कोई पेंशनधारक स्थानांतरित होता है या वह बैंक या शाखा बदलता है तो भी परेशान नहीं होना पड़ेगा, क्योंकि सीपीपीएस एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) के हस्तांतरण की आवश्यकता के बिना पूरे भारत में पेंशन वितरण की गारंटी देता है। ईपीएफओ को उम्मीद है कि नई प्रणाली के लागू होने से पेंशन भुगतान में लगने वाली बडी लागत की बचत होगी।

ईपीएस पेंशन के लिए पात्रता

- कर्मचारी ईपीएफओ का सदस्य होना चाहिए और उसने 10 साल की सेवा पूरी की हो।
 - वह 58 वर्ष की आयु तक पहुंच गया हो।
- वह 50 वर्ष का पूरा होने के बाद कम दर पर अपनी ईपीएस निकाल भी कता है।
- 🌘 वह अपनी पेंशन को दो साल (60 वर्ष की आयु तक) के लिए आगे भी ढा सकता है।
- इसके बाद उसे प्रत्येक वर्ष चार प्रतिशत की अतिरिक्त दर पर पेंशन मिलेगी।

पर्सनल लोन लेने जा रहे हैं? पहले जान लीजिए इसके फायदे और नुकसान

पर्सनल लोन कई मामलों में काफी अच्छा विकल्प रहता है। इसमें आपको कारण बताने की जरूरत नहीं होती क्योंकि ये अनिसक्योर्ड लोन होते हैं। कार या होम लोन में आपको बैंक को बताना पड़ता है कि आप गाड़ी या घर खरीदने के लिए लोन ले रहे हैं। पर्सनल लोन की प्रक्रिया काफी आसान और तेज होती है। कई बैंक और वित्तीय संस्थान पूरा प्रोसेस ऑनलाइन ही पुरा कर लेते हैं।

नई दिल्ली। इमरजेंसी में पैसों की जरूरत पूरा करने के लिए पर्सनल लोन (Personal loan) सबसे अच्छा विकल्प रहता है। इसकी वजह है कि इसमें ज्यादा कागजी प्रक्रिया पूरी करने की जरूरत नहीं होती है। कई बार तो बैंक आपको प्री-अप्रूट्ड पर्सनल लोन का ऑफर देते हैं। इसमें बस कुछ ही स्टेप में घर बैठे रकम आपको खाते में आ जाती है। इससे आपकी इमरजेंसी में पैसों की जरूरत पूरी हो सकती है। जैसे कि मेडिकल इमरजेंसी या शादी-विवाह का खर्च। लेकिन, पर्सनल लोन लेने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना चाहि **पर्सनल लोन के फायदे**

पर्सनल लोन आपको कारण बताने की जरूरत नहीं होती, क्योंकि ये अनिसक्योर्ड लोन होते हैं। कार लोन या होम लोन में आपको बैंक को बताना पड़ता है कि आप गाड़ी या घर खरीदने के लिए लोन ले रहे हैं। पर्सनल लोन की प्रक्रिया काफी आसान और तेज होती है। कई बैंक और वित्तीय संस्थान पूरा प्रोसेस ऑनलाइन ही पूरा कर लेते हैं।

पर्सनल लोन में कुछ भी गिरवी (Collateral) रखने की जरूरत नहीं होती है। इसलिए यह उन लोगों के लिए काफी अच्छा विकल्प बन जाता है, जो अपनी कोई चीज गिरवी नहीं रखना चाहते हैं। Personal Loan की चुकाने की अवधि अमूमन एक से पांच साल तक होती है। ऐसे में आपको अपनी कमाई और बजट के हिसाब से कर्ज चुकाने की सहूलियत मिल जाती है।

पर्सनल लोन के नुकसान पर्सनल लोन की ब्याज दर काफी अधिक होती है। यह अनिसक्योर्ड लोन होता है। इसलिए आपको 10 से 24 फीसदी तक का ब्याज देना पड़ सकता है। पर्सनल लोन लेने का प्रोसेस काफी आसान है । इसमें गिरवी भी कुछ नहीं रखना पड़ता है ।

ऐसे में कई बार लोग जरूरत से अधिक लोन ले लेते हैं। इससे कर्ज के जाल में फंसने का खतरा रहता है। पर्सनल लोन लेते समय Processing fees, prepayment penalties और अन्य हिडेन चार्ज (hidden charges) भी हो सकते हैं। इससे आपके लोन की कुल लागत बढ़

पर्सनल लोन लेना सही है? यह आपकी जरूरत पर निर्भर करता है। आपको पहले अपनी आर्थिक स्थिति का आकलन करना चाहिए। आप पैसे जुटाने के अन्य विकल्पों पर भी गौर कर सकते हैं।

जैसे कि किसी दोस्त या रिश्तेदार से

उधार लेना।

सकती है और यह महंगा पड़ सकता

आपके लिए पर्सनल लोन लेना आखिरी विकल्प होना चाहिए, क्योंकि इसकी ब्याज दर काफी अधिक होती हैं। आपको पर्सनल लोन लेने से पहले अलग-अलग बैंकों की ब्याज दर भी पता कर लेनी चाहिए। इससे आप सस्ती दर पर कर्ज ले पाएंगे।

अब हवाई सफर में भी मिलेगा इंटरनेट कनेक्शन, एयर इंडिया ने शुरू की सर्विस; जानें पूरी डिटेल

परिवहन विशेष न्यूज

एयर इंडिया ने अपनी कुछ चुनिंदा फ्लाइट में यात्रियों को मुफ्त वाई-फाई की सुविधा देने का एलान किया है। यात्री एक साथ कई डिवाइसेज में वाई-फाई इस्तेमाल कर सकेंगे। इसका मतलब है कि आप हवाई सफर के दौरान लैपटॉप और रमार्टफोन में इंटरनेट कनेक्ट कर पाएंगे। एयर इंडिया की यह सुविधा लैपटॉप टैबलेट और आईओएस या एंड्रॉइड सिस्टम वाले रमार्टफोन जैसी सभी डिवाइसेज के लिए उपलब्ध रहेगी।

नई दिल्ली। अब डोमेस्टिक फ्लाइट में सफर करने वाले यात्री भी आसमान में इंटरनेट की सुविधा का इस्तेमाल कर पाएंगे। टाटा ग्रुप की एयर इंडिया ने नए साल यानी 2025 के पहले ही दिन अपने हवाई यात्रियों को बड़ा तोहफा दिया है और उन्हें फ्लाइट में फ्री वाई-फाई उपलब्ध कराने का एलान किया है। एयरलाइन फिलहाल एयरबस A350, बोइंग 789-0 और चुनिंदा अन्य एयरबस विमानों में वाई-फाई सुविधा मुहैया कराएगी। यात्रियों को 10,000 फीट की ऊंचाई पर इंटरनेट कनेक्शन मिलेगा।

कितनी डिवाइस में इंटरनेट इस्तेमाल कर सकेंगे ?

एयर इंडिया अपने यात्रियों को एकसाथ कई डिवाइसेज में वाई-फाई का इस्तेमाल करने का इजाजत देगी। इसका मतलब है कि आप हवाई सफर के दौरान लैपटॉप और स्मार्टफोन में इंटरनेट कनेक्ट कर सकेंगे। एयर इंडिया की यह सुविधा लैपटॉप, टैबलेट और आईओएस या एंड्रॉइड सिस्टम वाले स्मार्टफोन जैसी सभी डिवाइसेज के लिए उपलब्ध रहेगी। इसके बदले यात्रियों को अलग से कोई चार्ज भी नहीं देना पड़ेगा।

इंटरनेट रूट पर पहले से मिल रही यह सुविधा

एयर इंडिया फ्री वाई-फाई की सर्वसि अपने न्यूयॉर्क, लंदन, पेरिस और सिंगापुर जैसे इंटरनेशनल रूट पर पहले से ही दे रही है। हालांकि, डोमेस्टिक फ्लाइट में सफर करने वाले एयर इंडिया के यात्रियों को यह सुविधा पहली बार मिलेगी। इसे एयर इंडिया ने डोमेस्टिक रूट पर फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया है। टाटा ग्रुप की यह एयरलाइन धीरे-धीरे अपने बेड़े के अन्य विमानों में भी यह सुविधा देने का प्लान बना रही है।



परलाइट में इंटरनेट क्यों दी जा रही है? पहले फ्लाइट में सुरक्षा कारणों से इंटरनेट सुविधा नहीं देती थीं। लेकिन, अब टेक्नोलॉजी काफी एडवांस हो गई, जिससे यात्रियों को फ्लाइट में इंटरनेट कनेक्शन दिया जा सकता है। इसकी यात्रियों को भी काफी ज्यादा जरूरत रहती है। कई यात्रियों को जरूरी मेल चेक करने रहते हैं या फिर कोई खास मैसेज भेजना रहता है। इससे फ्लाइट के दौरान परिवार और दोस्तों से जुड़ा रहना भी आसान हो जाएगा। यही वजह है कि एयर इंडिया अपनी फ्री वाई-फाई

सर्विस का विस्तार करने की योजना बना रही है।

फ्लाइट में फ्री वाई-फाई कैसे यूज करें ?

- अपने डिवाइस पर वाई-फाई चालू करें।
 एयर इंडिया वाई-फाई नेटवर्क पर
- फिर आपको अपना पीएनआर और
- अंतिम नाम दर्ज करना होगा।
- इसके बाद आप फ्री इंटरनेट सुविधा का ाभ उठा सकेंगे।

मोदी सरकार का नए साल पर किसानों को तोहफा, DAP के लिए स्पेशल सब्सिडी का एलान; क्या अब सस्ती होगी खाद?

परिवहन विशेष न्यूज

मोदी सरकार ने डाय-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) खाद की खरीद के लिए 3850 करोड़ रुपये तक के एकमुश्त विशेष पैकेज के विस्तार का एलान किया है। यह फैसला पीएम नरेंद्र मोदी अगुआई में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में लिया गया। एकमुश्त विशेष पैकेज को जनवरी-दिसंबर 2025 की अवधि के लिए मंजूरी दी गई है। आइए जानते हैं कि इसका खाद की कीमतों पर क्या

नई दिल्ली। सरकार ने नए साल के मौके पर किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। उसने डाय-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) खाद की खरीद के लिए 3,850 करोड़ रुपये तक के एकमुश्त विशेष पैकेज के विस्तार का एलान किया है। यह फैसला पीएम नरेंद्र मोदी अगुआई में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में लिया गया।

डीएपी के लिए एकमुश्त विशेष पैकेज को जनवरी-दिसंबर 2025 की अवधि के लिए मंजूरी दी गई है। इस कदम का मकसद किसानों को किसानों को सस्ती कीमतों पर डीएपी की लगातार उपलब्धता सुनिश्चित करना है। कुछ जगहों पर किसान डीएपी न मिलने की शिकायत कर रहे थे।

नई सब्सिडी से क्या डीएपी सस्ती होगी? फिलहाल, डीएपी की 50 किलो की एक बोरी का दाम 1,350 रुपये है। सरकार के नए एलान से इसकी कीमतों में कोई बदलाव नहीं होगा।

दरअसल, वैश्विक बाजार अस्थिरता और भू-राजनीतिक तनाव के चलते खाद की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है।

मोदी सरकार वन टाइम स्पेशल सब्सिडी देकर सुनिश्चित करना चाहती है कि डीएपी के दाम में अब ज्यादा बढ़ोतरी न हो, ताकि किसानों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े। इससे डीएपी की मार्केट में लगातार उपलब्धता सनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी।

खादकीकीमतों में उतार-चढ़ावकी

वजह क्या है?

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि हूती विद्रोहियों के हमले की वजह से लाल सागर का रास्ता असुरक्षित हो गया है। इसके चलते जहाजों को केप ऑफ गुड होप के जिरए आना पड़ रहा है। इससे खाद आयात करने की लागत बढ़ जा रही है, जिसका असर कीमतों पर भी देखने को मिल

उन्होंने कहा कि अगर वैश्विक बाजार में अस्थिरता बढ़ती है, तो उससे खाद के दाम भी प्रभावित हो सकते हैं। यही वजह है कि सरकार अतिरिक्त सब्सिडी का इंतजाम करके किसानों को राहत देने की कोशिश कर रही है।

10 साल में सरकार ने खाद पर

कितनी सब्सिडी बढ़ाई?

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दावा किया कि पीएम मोदी ने 2014 से कोविड और कई देशों में युद्ध जैसी समस्याओं के बावजूद सुनिश्चित किया है कि बाजार की अस्थिरता का बोझ किसानों पर न पड़े। उन्होंने कहा, '2014 से 2023 के बीच सरकार ने खाद पर 1.9 लाख करोड़ रुपये की सब्सिडी दी। यह 2004-2014 के मुकाबले दोगुने से अधिक है।'

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पीएम फसल बीमा योजना के तहत 2023-24 में 4 करोड़ किसानों का बीमा किया गया है। नीतियों के लिहाज से यह देश की सबसे बड़ी योजना और कुल प्रीमियम के आधार पर तीसरी सबसे बड़ी योजना है।

नए साल पर मिली बड़ी राहत, सस्ता हुआ एलपीजी सिलेंडर; 5 महीने बाद घटा है दाम



परिवहन विशेष न्यूज

सरकार ने नए साल की पहली सुबह एलपीजी सिलेंडर का दाम घटाकर बड़ा तोहफा दिया है। सरकारी तेल कंपनियों कमर्शियल सिलेंडर के दाम में कटौती की है। 1 जनवरी 2025 से 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 14.50 रुपये सस्ता हो गया है। हालांकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों को आखिरी 1 अगस्त 2024 को रिवाइज किया गया था।

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों ने नए साल पर एलपीजी सिलेंडर के दाम घटाकर ग्राहकों को बड़ा तोहफा दिया है। इंडियन ऑयल की आधिकारिक साइट के मुताबिक, आज यानी एक जनवरी 2025 से 19 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कमी की गई है। इसका दाम प्रति सिलेंडर 14.50 रुपये घटाया है। हालांकि, कीमतों में यह कटौती सिर्फ कमिशंयल एलपीजी सिलेंडर के लिए है। आपकी रसोई में इस्तेमाल होने वाले घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

कमर्शियल सिलेंडर का अब कितना है दाम?

19 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर का इस्तेमाल होटल, रेस्टोरेंट और मिठाई की दुकानों पर होता है। अब इस 19 किलो के कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत घट कर 1814 रुपये हो गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने दिसंबर 2024 में कमर्शियल सिलेंडर का दाम 16.50 रुपये और नवंबर में 62 रुपये बढ़ाया था।एक अक्टूबर 2024 को यह सिलेंडर 1740 रुपये का मिल रहा था। कोलकाता में अब यह सिलेंडर 1911.00 रुपये, मुबंई में 1756.00 रुपये और चेन्नई में 1966.00 रुपये का मिलेगा।

लगा। 5 महीने बाद मिली है यह बड़ी राहत।

सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियां हर मही ने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों की समीक्षा करती हैं। उन्होंने जनवरी 2025 में कमिशंयल सिलेंडर की कीमतों में कटौती करने से पहले इसका दाम लगाया पांच महीने तक बढ़ाया था। एक दिसंबर 2024 को इसमें 16.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी। एक नवंबर को इसका दाम 62 रुपये बढ़ा था। वहीं, एक अक्टूबर को 48.50 रुपये, एक सितंबर को 39 रुपये और एक अगस्त 2024 को 6.50 रुपये प्रति सिलेंडर के हिसाब से दाम बढ़ा था। रसोई गैस सिलेंडर कितने का मिल रहा है?

आम जनता की रसोई में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के सिलेंडर की कीमतों में कई महीनों से कोई बदलाव नहीं हो रहा है। दिल्ली में बिना सब्सिडी वाला गैस सिलेंडर फिलहाल 803.00 रुपये का है। वहीं, कोलकाता में यह 829.00 रुपये में मिल रहा है। मुंबई में इसकी कीमत 802.50 रुपये है। चेन्नई की बात करें, तो वहां रसोई गैस सिलेंडर का दाम 818.50 रुपये में मिल रहा है। उज्ज्वला के लाभार्थियों को घरूेल सिलेंडर पर 300 रुपये की सब्सिडी मिलती है। इसकी लिमिट साल में 12 सिलेंडर है यानी 12 से अधिक सिलेंडर इस्तेमाल करने पर सब्सिडी नहीं मिलेगी।

उत्तर भारत में भारी बारिश के साथ कड़ा के की ढंड का अलर्ट, यहां जानिए अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम ?

उत्तर प्रदेश समेत पूरे उत्तर भारत में भीषण ठंड का अलर्ट मौसम विभाग ने जारी किया गया है। राजस्थान और मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में घने कोहरे की चेतावनी भी जारी की गई है। इराक और अफगानिस्तान में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। इस वजह से पांच और छह जनवरी को मौसम में बदलाव की संभावना है। दो जनवरी को यूपी और एमपी में कोल्ड डे की स्थिति रहेगी।

परिवहन विशेष न्युज

नई दिल्ली। उत्तर भारत में अभी लोगों को कड़ाके की ठंड से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुमान के मुताबिक उत्तर पश्चिम और मध्य भारत के कुछ स्थानों में अगले 2 दिनों के दौरान घना कोहरा और कोल्ड-डे की स्थिति जारी रहने की संभावना है। उत्तर प्रदेश में एक और दो जनवरी को कोल्ड-डे और सीवियर कोल्ड डे की चेतावनी जारी की गई है।

आईएमडी के मृताबिक पूर्वी, उत्तर-पश्चिम और पश्चिम-मध्य भारत के कुछ इलाकों को छोड़कर जनवरी में देश के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की

अफगानिस्तान में बना पश्चिमी विक्षोभ पिछले 24 घंटे में हरियाणा. पश्चिमी



राजस्थान, पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय में बेहद घना कोहरा पडा। उधर, पश्चिमी विक्षोभ अभी अफगानिस्तान के ऊपर बना हुआ है। इसकी वजह से पांच और छह जनवरी को उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी भागों में बूंदाबांदी की संभावना है।

www.newsparivahan.com

मौसम विभाग के मुताबिक एक जनवरी को हरियाणा. पर्वी मध्य प्रदेश और पर्वी राजस्थान में सीवियर कोल्ड डे की संभावना है। पंजाब और पश्चिम मध्य प्रदेश में कोल्ड डे की स्थिति रहेगी। इन राज्यों में अलर्ट जारी

एक जनवरी को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़

और उत्तर प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर कोल्ड डे और सीवियर कोल्ड डे की स्थिति बनी रहने की संभावना है। वहीं मध्य प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पूर्वीतर के राज्यों में घने कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया गया है। तमिलनाडु में भारी बारिश का अलर्ट जारी

जम्म-कश्मीर में भारी बारिश का अलर्ट दो जनवरी को उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में कोल्ड डे की चेतावनी जारी की गई है। हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ समेत पर्वोत्तर के राज्यों में घना कोहरे पड़ने की संभावना है। तीन जनवरी को असम, मणिपुर और त्रिपुरा में घना कोहरा पड़ सकता है।

4 जनवरी को नगालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा और असम में घने कोहरे की चेतावनों दी गई है। 5 जनवरी को जम्मु-कश्मीर में भारी बारिश के साथ बर्फबारी के आसार हैं। हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में गरज-चमक का अलर्ट है।

आने वाले दिनों में कैसा रहेगा तापमान? अगले पांच दिनों में उत्तर पश्चिम भारत में न्युनतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है।

पूर्वी भारत में अगले 3 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई अहम बदलाव नहीं होगा। इसके बाद 2-4 डिग्री सेल्सियस बढ़ने की संभावना है। महाराष्ट्र में आने वाले 3 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि

मध्य भारत और गुजरात में अगले 5 दिनों में न्यनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की

जनवरी से मार्च के बीच सामान्य होगी बारिश आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों और दक्षिणी प्रायद्वीप के मध्य भागों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि मध्य भारत के पश्चिमी और उत्तरी भागों में जनवरी के दौरान सामान्य से अधिक शीत लहर वाले दिनों की संभावना है। जनवरी से मार्च के बीच उत्तर भारत में बारिश सामान्य से कम रहने की उम्मीद है।

1901 के बाद 2024 सबसे गर्म वर्ष

1901 के बाद साल 2024 देश में सबसे गर्म वर्ष रहा है। इसमें औसत न्यनतम तापमान दीर्घावधि औसत से 0.90 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के महानिदेशक मृत्यंजय महापात्र ने कहा कि 2024 में भारत भर में वार्षिक औसत भूमि सतह वाय तापमान दीर्घावधि औसत (1991-2020 अवधि) से 0.65 डिग्री सेल्सियस अधिक था। वर्ष 2024 अब 1901 के बाद से सबसे गर्म वर्ष बन गया है। इससे पहले 2016 सबसे गर्म वर्ष

कल राज्य में आएंगी डबल डेकर बसें, इनका होगा इस्तेमाल



मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: कल राजधानी में डबल डेकर बसें चलती हैं। यह बहुप्रतीक्षित बस कल आएगी। आवास एवं शहरी विकास मंत्री कृष्ण चंद्र महापात्रा ने बताया कि राज्य में फिलहाल चार बसें चल रही हैं।राज्य में आने वाली डबल डेकर बसों में से दो बसें शुरू में आएंगी। फिर दो और आएंगे।मंत्री ने कहा कि यह बस अब आम जनता के लिए इस्तेमाल नहीं की जाएगी। आज मंत्री ने कहा कि कल राज्य में दो डबल डेकर बसें आएंगी। अब इसका उपयोग प्रवासियों के परिवहन के लिए किया जाएगा। प्रवासी भारतीय दिवस के बाद ये बसें आम लोगों के उपयोग के लिए समर्पित कर दी जाएंगी। प्रधानमंत्री हर साल देश से बाहर रहने वाले अनिवासी भारतीयों को आमंत्रित करते हैं। इस बार अंतर्राष्ट्रीय आप्रवासी दिवस भवनेश्वर में मनाया जाएगा। नया साल नई प्रेरणा लेकर ऑए। ओडिशा के लोग प्रवासी भारतीयों का अतिथि के रूप में स्वागत करेंगे। इससे पर्यटन उद्योग में वृद्धि होने की उम्मीद है।

नए साल में भारत को कई चुनौतियों से निपटना पड़ेगा, मुद्रास्फीति पर काबू पाना होगा: जानिए विशेषज्ञ क्या बोले



नए साल में भारत को भू– राजनीतिक समेत कई चुनौतियों से पार पाना होगा। त्योहारी गतिविधियों और ग्रामीण मांग में इजाफा की वजह से अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा है। मगर मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना होंगा। इस बीच सभी की निगाहें फरवरी में ब्याज दरों में संभावित कटौती पर भी टिकी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था की

संभावनाएं उज्ज्वल दिख रही हैं। नर्इदिल्ली। नए साल में भारत को भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपटना होगा और घरेलू मुद्रास्फीति पर काबू पाना होगा। इतना ही नहीं सरकार को निजी क्षेत्रको अपने खर्चे और बढ़ाने के लिए प्रेरित करना होगा, क्योंकि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था सितंबर तिमाही की सुस्ती को पीछे छोड़ते हुए 2025 में और अधिक सकारात्मक प्रगति की उम्मीद कर रही है।

अर्थव्यवस्था में हो रहा सुधार आरबीआई के अर्थशास्त्रियों ने कहा कि 2024-25 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के उच्च आवृत्ति संकेतक बताते हैं कि अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा है, जो मजबूत त्योहारी गतिविधि और ग्रामीण मांग में निरंतर वृद्धि से प्रेरित है। देश की आर्थिक वृद्धि जुलाई-सितंबर में सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर आ गई

थी। हालांकि, वित्त मंत्री निर्मला

सीतारमण ने इसे 'अस्थायी झटका'

राजकोषीय खाके को प्रस्तुत किया खासकर वैश्विक तनावों तथा अमेरिका में डोनाल्ड टंप के जल्द

निगाहें

ब्याजदरों में कटौती पर सबकी

वृद्धि बनाम मुद्रास्फीति की बहस

पर वित्त मंत्रालय और आरबीआई के

बीच मतभेद के साथ ही सभी की निगाहें

फरवरी में ब्याज दरों में संभावित

कटौती पर भी टिकी होंगी, जब केंद्रीय

बैंक की मौद्रिक नीति की समिति नए

गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में

पहली बार बैठक करेगी। समिति की

बैठक वित्त वर्ष 2025-26 के केंद्रीय

बजट के तुरंत बाद होगी, जिसमें मोदी

3.0 सरकार के आर्थिक तथा

राष्ट्रपति पद संभालने के संदर्भ में।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की

संभावनाएं उज्ज्वल हैं, क्योंकि व्यापक आर्थिक बनियादी मजबूत है।

आने वाले वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाएं उज्ज्वल दिख रही हैं। हम उम्मीद कर सकते हैं कि वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपेक्षित 6.6-6.8 प्रतिशत के अतिरिक्त सात प्रतिशत के स्तर को पार कर जाएगी। - मदन सबनवीस, मुख्य अर्थशास्त्री, बैंक आफ बड़ौदा।

वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, भू-राजनीति व संघर्ष, केंद्रीय बैंक की नीतिगत दरों में ढील और जिंस कीमतों, शुल्क के खतरों आदि के बीच घरेलू परिदृश्य से भारतीय अर्थव्यवस्था का आर्थिक परिदश्य काफी उज्ज्वल प्रतीत होता है। - अदिति नायर, मुख्य अर्थशास्त्री, रेटिंग एजेंसी इक्रा।

भारत में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को कौन देरहा हैं आधार, राशन कार्ड,बिजली, पानी,अन्य नागरिक सेवाएं और हिम्मत?

भारत के लिए बड़ी चुनौती हैं यहां छुपे गद्दार और अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिएं? राष्ट्रहित में, जातिवादी दबंगई ख़त्म कर हमें प्रतिकृल परिस्थितियों के लिए रहना होगा तैयार? लखनऊ में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों का आतंक, नगर निगम टीम को दौड़ा दौड़ाकर पीटा,

महिला के कपड़े फाड़े, मोबाईल लुटे

युपी, संजय साग़र सिंह। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे हमले और अमानवीय अत्याचारों को देखते हये राष्ट्रहित में. लोगों ने बताया कि भारत में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की समस्या अब एक गंभीर, सुरक्षा और सामाजिक चुनौती बन चुकी है। इन घुसपैठियों को विभिन्न सरकारी सुविधाओं का लाभ मिलना, जैसे आधार कार्ड, राशन कार्ड, बिजली, पानी, और अन्य नागरिक सेवाएं, कई बार सरकारी प्रशासन की लापरवाही, भ्रष्टाचार और जाँच प्रक्रिया में खामियों के कारण संभव हो जाता है। इसके चलते

अवैध रूप से रहने वाले अवैध घसपैठियों को भारतीय नागरिकों के समान सुविधाओं का उपयोग करते हैं, जो राष्ट्रीय सरक्षा और सामाजिक ताने-बाने के लिए खतरनाक हो सकता है।

भारत में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को आधार,राशन कार्ड,बिजली, पानी,अन्य नागरिक सेवाएं और हिम्मत कौन देरहा हैं ? यहां छुपे गद्दार और अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिएं भारत के लिए बड़ी चुनौती हैं ? राष्ट्रहित में, जातिवादी दबंगई ख़त्म कर हमें प्रतिकूल परिस्थितियों के लिए तैयार रहना होगा। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे हमले और अमानवीय अत्याचारों को देखते हुये राष्ट्रहित में, यह बहुत ही आवश्यक है कि सरकार इन अवैध घसपैठियों की पहचान करे और उन्हें देश से बाहर करने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। इसके अलावा, जातिवादी दबंगई और आपस में लड़ने झगड़ने के बजाए इसे ख़त्म कर हमें प्रतिकूल परिस्थितियों के लिए तैयार रहना होगा। वही, समाजसेवीयों और संगठनों द्वारा नागरिकों को भी इस



विषय में जागरूक किया जाए और राज्य की सुरक्षा एजेंसियों को इन घसपैठियों पर निगरानी रखने के लिए अधिक संशक्त बनाया जाए।

उत्तर प्रदेश की राजघानी लखनऊ में 200 से अधिक अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों ने बांग्लादेश के आतंकियों के पैटर्न में आतंक फैलाया और नगर निगम टीम को दौड़ा दौड़ाकर पीटने के बाद महिला के कपड़े फाडे और टीम के लोगों के मोबाईल लुट ने के बाद खुद

को निर्दोष और पीडति बताया ।बांग्लादेश के आतंकियों के पैटर्न पर लखनऊ जैसे शहरों में अवैध बांग्लादेशी घसपैठियों की ऐसी पहली दबंग घटना विशेष रूप से चिंता का विषय बन सकती है, क्योंकि यह सुरक्षा के दृष्टिकोण से एक बड़ा खतरा उत्पन्न कर सकता है। इन घुसपैठियों द्वारा आतंकी गतिविधियों में लिप्त होने की संभावना भी रही है, जो भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर चनौती बन सकती है।

नये राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति गुरुवार को ओडिशा पहुँचेग

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा भुबनेश्वर: नए राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति गुरुवार को ओडिशा पहुंचेंगे।

ओडिशा पहुंचने के बाद वह पूरी जाएंगे और श्रीजी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। शपथ ग्रहण समारोह 3 तारीख को राजभवन में होगा। हरि बाबू को ओडिशा का 27वां राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वह 2014 के लोकसभा चुनाव में आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम से संसद सदस्य चुने गए।हरि बाबू ने भारतीय जनता पार्टी से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। वह आंध्र प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी थे। हरि बाबू को 6 जुलाई, 2021 को राष्ट्रपति द्वारा मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त किया गया। 1991 से 1993 तक हरि बाब भारतीय जनता पार्टी की आंध्र प्रदेश

राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य रहे। उन्होंने 1993 से 2003 तक आंध्र प्रदेश के महासचिव के रूप में भी कार्य किया। 1999 में हरि

बाबू विशाखापत्तनम विधानसभा क्षेत्र से चुने गए। 2003 में उन्हें पार्टी द्वारा आंध्र प्रदेश भाजपा विधानसभा का नेता नियुक्त किया गया । मार्च 2014 में उन्हें भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। गौरतलब है कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने अप्रत्याशित रूप से राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्हें किसी अन्य राज्य में नौकरी नहीं मिल

'बांग्लादेश के बहुसंख्यक कर रहे भारत में घुसपैठ', असम के सीएम का दावा

असम के सीएम हेमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया है कि बांग्लादेश से आए लोग अल्पसंख्यक हिंदू नहीं बल्कि बहुसंख्यक समुदाय के लोग हैं। उन्होंने कहा कि वहां कपड़ा उद्योग ध्वस्त हो गया है जिस वजह से वहां बहुसंख्यक लेकिन हमारे देश में अल्पसंख्यक श्रमिक सीमा पार करने की कोशिश कर रहे हैं। सरमा ने कहा कि ये लोग तमिलनाडु जाने की कोशिश में हैं।

गुवाहाटी। बांग्लादेश में फैली अशांति के बीच वहां से कई लोग पलायन कर भारत आ रहे हैं। इस बीच असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को कहा कि हाल के महीनों में बांग्लादेश से राज्य में आने वाले लोगों में से अधिकांश पड़ोसी देश के बहु संख्यक समुदाय के

हिमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया कि जो लोग अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर रहे हैं, वे मुस्लिम बहुल बांग्लादेश के कपड़ा उद्योग के श्रमिक हैं, जो वहां संकट के बाद खराब स्थिति में हैं और वे उसी क्षेत्र में शामिल होने के लिए तमिलनाडु जाना चाहते हैं।

बांग्लादेश में कपड़ा उद्योग ध्वस्त हो

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि बांग्लादेश में जो स्थिति है, उसके कारण वहां कपड़ा उद्योग ध्वस्त हो गया है। वहां बहुसंख्यक लेकिन हमारे देश में अल्पसंख्यक श्रमिक सीमा पार करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे तमिलनाडु में कपड़ा उद्योगों में जाने के लिए देश में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं और इन उद्योगों के मालिक उन्हें सस्ते श्रम के लिए आने

के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उस देश में हिंदू अल्पसंख्यक अब वहां अत्याचारों का सामना करने के बावजूद आने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, संभवतः इसलिए क्योंकि वे बहुत देशभक्त हैं।

बांग्लादेशी हिंदू नहीं आया भारतः सरमा असम के सीएम ने कहा कि उन्होंने बहुत ही परिपक्व तरीके से व्यवहार किया है और पिछले पांच महीनों में कोई भी बांग्लादेशी हिंदू असम नहीं आया है। हेमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस देश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के लिए अनुकूल माहौल बनाने में मदद करने के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं।

सीएम ने दावा किया कि स्थिति बहुत ही चिंताजनक है और केंद्र इसे लेकर बहुत चिंतित है। बांग्लादेश में अशांति के बाद से घुसपैठ में भारी वृद्धि हुई है और पिछले पांच महीनों में रोजाना 20 से 30 लोग अवैध रूप से असम और त्रिपुरा में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि असम सरकार इन घुसपैठियों को गिरफ्तार नहीं कर रही है बल्कि उन्हें उनके अपने देश वापस भेज रही है।

अवैध घुसपैठियों की गिरफ्तारी हो रही

उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में फैली अशांति के बाद आतंकी नेटवर्क के सदस्यों पर कार्रवाई के बारे में सरमा ने कहा, ₹हम एनआईए और खुफिया एजेंसियों के साथ समन्वय में लगातार काम कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप असम और अन्य राज्यों में 23 लोगों की गिरफ्तारी और भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया है।₹ उन्होंने कहा, ₹हमें आतंकी संगठन की जड़ों पर प्रहार करना है। अन्य एजेंसियों के साथ मजबूत समन्वय के साथ, हमारी पुलिस ने सफलता हासिल की है।



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-१८,१०२० सेक्टर ५९, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं ३, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-४, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- ११००६३ से प्रकाशित। सम्पर्क: 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की रिश्नित में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No:- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023